दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक

RNI No.61546/95

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-147 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) रविवार 19 जुलाई 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

भारत का पहला प्राइवेट ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-1 सफलतापूर्वक लॉन्च

नई दिल्ली, (ए.)। भारत का पहला प्राइवेट ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-1 शनिवार को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से सफलतापूर्वक प्रक्षेपित हो गया।इस लॉन्चिंग को मिशन आगमन नाम दिया गया है।

पहले इस मिशन को सुबह 11:30 बजे लॉन्च किया जाना था, लेकिन कुछ तकनीकी कारणों के चलते इसे दोपहर 12.06 बजे प्रक्षेपित किया गया। हैदराबाद की कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस द्वारा बनाया गया विक्रम-1 तीन सॉलिड-फ्यूल स्टेज और एक लिक्विड ऑर्बिटल एडजस्टमेंट मॉड्यूल से चलता है। विक्रम-1 के प्रक्षेपण के साथ ही भारत ने ग्लोबल प्राइवेट ऑर्बिटल लॉन्च मार्केट में कदम रख दिया है। यह भारत की कमर्शियल स्पेस क्षमताओं को मज़बूत करने की दिशा में एक अहम कदम है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने इसके सफल प्रक्षेपण पर स्काईरूट एयरोस्पेस और उसके वैज्ञानिकों को बधाई दी। प्रधानमंत्री ने कंपनी के सह-संस्थापक पवन कुमार चंदना और नागा भरत डाका से फोन पर बात कर कहा कि स्काईरूट ने आकाश में अपनी जड़ें गाड़ दी हैं और जमीन पर भी उन जड़ों को मजबूत किया है, जो देश के युवाओं को प्रेरणा देंगी। प्रधानमंत्री ने कंपनी के सह-संस्थापक पवन कुमार चंदना से इसरो के दफ्तर में फोन से बात करते हुए इसे आत्मनिर्भर भारत की दिशा में बड़ा कदम बताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस सफलता ने दिखा दिया है कि भारत निजी क्षेत्र की भागीदारी से भी अंतरिक्ष क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने में सक्षम है। स्काईरूट की युवा टीम ने प्रतिबद्धता और मेहनत से भारत मां की गरिमा को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। उन्होंने इसे 'वंदे मातरम मिशन' की तरह बताया और कहा कि यह नई पीढ़ी को तकनीक का लाभ देने और आने वाली पीढ़ी को प्रेरित करने का काम करेगा। उन्होंने स्काईरूट टीम को जल्द मिलने का निमंत्रण भी दिया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि एक समय था जब मैं आत्मनिर्भर भारत की बात करता था तो नासमझी में लोग उसका मजाक उड़ाते थे। आज आपने सिद्ध कर दिया कि इस क्षेत्र में भी हम आत्मनिर्भर बनने के लिए समर्थ हैं। उस सामर्थ्य को आपने कर दिखाया।

प्रधानमंत्री ने विक्रम-1 के सफल प्रक्षेपण के बाद स्काईरूट एयरोस्पेस के संस्थापकों से की बात, दी बधाई

नई दिल्ली, (ए.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत के पहले निजी ऑर्बिटल रॉकेट 'विक्रम-1' के सफल प्रक्षेपण पर स्काईरूट एयरोस्पेस को बधाई दी। उन्होंने कंपनी के सह-संस्थापक पवन कुमार चंदना और नागा भरत डाका से फोन पर बात कर कहा कि स्काईरूट ने आकाश में अपनी जड़ें गाड़ दी हैं और जमीन पर भी उन जड़ों को मजबूत किया है, जो देश के युवाओं को प्रेरणा देंगी। प्रधानमंत्री ने हैदराबाद स्थित निजी कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस द्वारा विकसित देश का पहला ऑर्बिटल-क्लास रॉकेट 'विक्रम-1' के शनिवार को सफल प्रक्षेपण के बाद कंपनी के सह-संस्थापक पवन कुमार चंदना से इसरो के दफ्तर में फोन से बात करते हुए इसे आत्मनिर्भर भारत की दिशा में बड़ा कदम बताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस सफलता ने दिखा दिया है कि भारत निजी क्षेत्र की भागीदारी से भी अंतरिक्ष क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने में सक्षम है।

राजधानी के पुराने भोपाल में निकली जगन्नाथ यात्रा।

खराब मौसम के चलते 19 जुलाई से अमरनाथ यात्रा अस्थायी रूप से स्थगित

नई दिल्ली (ए.)। जम्मू-कश्मीर में खराब मौसम के पूर्वानुमान को देखते हुए श्री अमरनाथ यात्रा को 19 जुलाई से अस्थायी रूप से स्थगित करने का फैसला लिया गया है। अधिकारियों के अनुसार, भारत मौसम विज्ञान विभाग की ओर से आने वाले दिनों में मौसम खराब रहने और लगातार बारिश की संभावना जताई गई है। यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। प्रशासन के मुताबिक, अमरनाथ यात्रा के दोनों प्रमुख मार्गों—पहलगाम और बालटाल—से 19 जुलाई से यात्रा अस्थायी रूप से रोक दी जाएगी। मौसम की स्थिति में सुधार और यात्रा मार्गों को सुरक्षित पाए जाने के बाद ही आगे की यात्रा को लेकर निर्णय लिया जाएगा। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से मौसम संबंधी आधिकारिक सूचनाओं पर नजर रखने और बिना अनुमति संवेदनशील इलाकों की ओर न बढ़ने की अपील की है।इस बीच, जम्मू-कश्मीर के कई हिस्सों में मौसम बिगड़ने की आशंका बनी हुई है। मौसम विभाग ने भारी बारिश, तेज हवाओं और खराब मौसम को लेकर चेतावनी जारी की है।

मानसून सत्र से पहले रविवार को सर्वदलीय बैठक, नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया को आमंत्रण

नई दिल्ली,(ए.)। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने संसद के मॉनसून सत्र को सुचारू संचालन और आम सहमति बनाने के लिए 19 जुलाई (रविवार) को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। यह बैठक सुबह 11 बजे संसद भवन में आयोजित की जाएगी, जिसमें विभिन्न दलों के नेताओं के साथ राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों और पेश होने वाले विधेयकों पर चर्चा होगी। इस बैठक में तृणमूल कांग्रेस के बागी सांसदों को भी बुलाया गया है। एनडीए में हाल ही में शामिल हुए नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया के तृणमूल कांग्रेस छोड़ कर आए 20 सांसद शामिल हुए हैं।

राजधानी के बाहर हुई कैबिनेट बैठकों से प्रदेश के गौरवशाली व्यक्तित्व हुए सम्मानित

मध्यप्रदेश के प्रत्येक अंचल में कैबिनेट बैठक का नवाचार देश में अनूठा

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रि परिषद बैठकों के आयोजन के लिए नवाचार करते हुए प्रदेश के विभिन्न अंचलों में इन्हें करने की पहल की। जनकल्याण से जुड़े नीतिगत निर्णय सिर्फ मंत्रालय, भोपाल में ही नहीं प्रदेश के सुदूर अंचलों में भी लिए जाने लगे हैं। राजधानी भोपाल से लगे हुए प्राचीन महल और स्मारक वाले गांव जगदीशपुर में रविवार, 19 जुलाई को मंत्री परिषद की बैठक हो रही है। प्राचीन धरोहर को देखने समझने का भी यह एक अवसर है। प्रदेश की पुरा संपदा के प्रति आमजन की जानकारी में भी वृद्धि होती है और ऐसे स्थलों का महत्व भी बढ़ता है। महेश्वर, सिंग्रामपुर और इंदौर का राजवाड़ा ऐसे ही स्थान हैं जहां कैबिनेट बैठक हुई और इन स्थानों के प्रति जनता की जिज्ञासा बढ़ी। यह भविष्य में पर्यटन की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश में गत ढाई वर्ष में राजधानी भोपाल में होने वाली नियमित कैबिनेट बैठकों के अलावा अन्य स्थानों पर सात मंत्रि-परिषद बैठकों का नवाचार हुआ है। मध्य प्रदेश में किया गया ये नवाचार आम जनता द्वारा भी काफी सराहा गया है। भोपाल के साथ ही अब जबलपुर, दमोह, खरगोन, नर्मदापुरम, छतरपुर और बड़वानी जिलों में मंत्रि परिषद की बैठकों की कार्यवाही हो चुकी है। विश्व धरोहर स्थल खजुराहो जिला छतरपुर में हुई बैठक के साथ ही इन सभी बैठकों में जनकल्याण से जुड़े बहुआयामी निर्णय लिए गए हैं।बाबा महाकाल की नगरी में भी होगी कैबिनेट बैठकमुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सामान्य कैबिनेट के साथ ही कृषि कैबिनेट भी प्रदेश के प्रत्येक अंचल में करने का निर्णय लिया है। उल्लेखनीय है कि बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन में भी कैबिनेट प्रस्तावित है। प्रदेश के विभिन्न स्थानों से जनप्रतिनिधियों और वरिष्ठ अधिकारियों के संपर्क का कार्य भी इससे आसान हुआ है। जहां राजधानी में ही जन हित से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाते रहे हैं, अब इस नवाचार के अंतर्गत प्रदेश के छोटे से ग्राम स्तर से भी जन कल्याण के महत्वपूर्ण फैसले लिए जा रहे हैं।

शौर्य की प्रतीक रानी दुर्गावती और सुशासन स्थापित करने वाली देवी अहिल्या बाई का पुण्य स्मरण

मंत्रि-परिषद बैठक के आयोजन के लिए साहस और शौर्य की प्रतीक रानी दुर्गावती और सुशासन और लोक कल्याण की पर्याय मानी गई देवी अहिल्याबाई की स्मृति से जुड़े स्थानों का भी ध्यान रखा गया। कैबिनेट की बैठक के आयोजन के लिए प्रदेश में ऐसे व्यक्तित्व चयनित किए गए जिनका शौर्य, सुशासन, लोककल्याण और सेवा क्षेत्र में विशेष स्थान रहा है। इस कड़ी में ऐसे स्थानों में दमोह जिले का सिंग्रामपुर, खरगोन जिले का महेश्वर, नर्मदापुरम जिले के पचमढ़ी, छतरपुर जिले का खजुराहो और इंदौर का राजवाड़ा स्मारक आदि शामिल हैं।

सोनम वांगचुक को हटाना गलत, छात्रों की आवाज नहीं दबाई जा सकती : राहुल गांधी

नई दिल्ली, (ए.)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने लद्दाख के सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को जंतर-मंतर से हटाए जाने की आलोचना करते हुए इसे गलत बताया है। उन्होंने कहा कि प्रश्नपत्र लीक, शिक्षा की बढ़ती लागत और छात्रों की आत्महत्या जैसे मुद्दे देश के भविष्य से जुड़े गंभीर विषय हैं, जिन्हें उठाने से छात्रों और उनके समर्थकों को कोई नहीं रोक सकता।राहुल गांधी ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा कि सरकार के मूल सिद्धांत असत्य और हिंसा हैं। अहिंसक अनशन पर बैठे सोनम वांगचुक को जंतर-मंतर से हटाया जाना गलत है।

सोनम को भेजा अस्पताल, प्रदर्शनकारियों को लिया हिरासत में

- जंतर- मंतर पर पुलिस की भारी तैनाती

नई दिल्ली(ए.)। दिल्ली के जंतर-मंतर पर नीट परीक्षा में अनियमितताओं के विरोध में पिछले 20 दिनों से आमरण अनशन पर बैठे मशहूर सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को शनिवार तड़के दिल्ली पुलिस ने जबरन धरना स्थल से हटा दिया।

पुलिस की एक बड़ी टीम ने सुबह-सुबह कार्रवाई करते हुए उन्हें हिरासत में लिया और तुरंत सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया। इस कार्रवाई के बाद जंतर-मंतर पर डटे कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के कार्यकर्ताओं को भी तितर-बितर कर दिया गया, जिससे मौके पर भारी हंगामा देखने को मिला।सूत्रों के अनुसार, पुलिस ने इस कार्रवाई के लिए शुक्रवार देर रात से ही पूरी तैयारी कर ली थी। रातभर जंतर-मंतर पर पुलिसकर्मियों की संख्या बढ़ा दी गई थी और तड़के मौका मिलते ही, जब अधिकांश प्रदर्शनकारी सो रहे थे, पुलिस ने स्टेज से सोनम वांगचुक को उठाया। उनकी तबीयत लगातार बिगड़ रही थी, और डॉक्टरों की लगातार चेतावनी के बाद दिल्ली हाईकोर्ट के आदेशों को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया गया।पुलिस ने मंच की ओर एक पर्दा खींचकर प्रदर्शनकारियों की गतिविधियों को छिपाया और सुबह लगभग 7:15 बजे सोनम वांगचुक को सीधे अस्पताल ले जाया गया।

मध्य प्रदेश के 44 जिलों में आज बारिश का अलर्ट, डिंडौरी-उमरिया में भारी वर्षा की संभावना

19 जुलाई से सक्रिय होगा मौसम का नया सिस्टम

भोपाल,(ए.) । मध्य प्रदेश में मानसून एक बार फिर रफ्तार पकड़ने जा रहा है। आज शनिवार को भोपाल और इंदौर समेत प्रदेश के 44 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। इनमें डिंडौरी और उमरिया में भारी बारिश होने की संभावना जताई गई है।मौसम विभाग के अनुसार, 19 जुलाई से पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टरबेंस) सक्रिय होगा। इसके प्रभाव से प्रदेश में लगातार तेज बारिश का सिलसिला शुरू होने के आसार हैं। बीते शुक्रवार को करीब नौ दिन बाद उमरिया, डिंडौरी, बालाघाट सहित कई जिलों में अच्छी बारिश दर्ज की गई। राजधानी भोपाल में भी दिनभर रुक-रुककर बूंदाबांदी होती रही।मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, वर्तमान में सक्रिय लो प्रेशर एरिया और साइक्लोनिक सर्कुलेशन के कारण प्रदेश में बारिश का माहौल बना हुआ है। उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी पर बना लो प्रेशर एरिया आगे बढ़ रहा है। इसके साथ सक्रिय ट्रफ के जरिए लगातार नमी मिल रही है। जैसे-जैसे यह सिस्टम मजबूत होगा, प्रदेश में बारिश की तीव्रता भी बढ़ती जाएगी। शनिवार से सक्रिय होने वाले नए सिस्टम के कारण अगले चार दिनों तक कई जिलों में भारी बारिश होने की संभावना है।

इन जिलों में बारिश का अनुमान

मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे के दौरान डिंडौरी और उमरिया में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। वहीं भोपाल, रायसेन, सीहोर, विदिशा, इंदौर, झाबुआ, अलीराजपुर, धार, बुरहानपुर, बड़वानी, खंडवा, खरगोन, देवास, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, जबलपुर, कटनी, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, बालाघाट, मंडला, रीवा, सतना, सीधी, सिंगरौली, मऊगंज, मैहर, शहडोल, अनूपपुर, सागर, पन्ना, दमोह, छतरपुर, टीकमगढ़ और निवाड़ी में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है।

उज्जैन के महाकाल मंदिर में कैरेटमीटर मशीन से परखी जाएगी दान में मिले सोने-चांदी की शुद्धता

उज्जैन,(ए.)। मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग महाकाल मंदिर में दान प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और विश्वसनीय बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। अब मंदिर में आने वाले बहुमूल्य आभूषणों की शुद्धता जांचने के लिए अत्याधुनिक कैरेटमीटर मशीन एक्सआरएफ (एक्स-रे फ्लोरेसेंस) का उपयोग किया जाएगा। महाकाल मंदिर की उप प्रशासक एवं डिप्टी कलेक्टर सिम्मी यादव ने शनिवार को बताया कि मंदिर प्रबंध समिति ने सीएसआर फंड के माध्यम से करीब 15 लाख रुपये की लागत से यह अत्याधुनिक कैरेटमीटर मशीन महाराष्ट्र से मंगवाई है। मशीन मंदिर परिसर में पहुंच चुकी है और आवश्यक तैयारियां पूरी होने के बाद सोमवार से इसका संचालन शुरू कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि मंदिर में दान स्वरूप प्राप्त होने वाले सोने और चांदी के आभूषणों की शुद्धता कैरेटमीटर मशीन से परखी जाएगी। दानदाता की मौजूदगी में ही धातु की शुद्धता की जांच होगी, जिससे दान प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी रहेगी। इस मशीन से दान में मिले सोने-चांदी की गुणवत्ता और कैरेट का पता कुछ ही मिनटों में लगाया जा सकेगा।

अहमदाबाद में पटाखा फैक्ट्री में भीषण विस्फोट, 8 लोगों की मौत, 10 घायल

अहमदाबाद (ए.)। शहर के रामोल-गतराड रोड स्थित महमूदपुरा क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर एक पटाखा फैक्ट्री में हुए भीषण विस्फोट और उसके बाद लगी आग ने बड़ी त्रासदी को जन्म दे दिया। हादसे में अब तक 8 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 10 अन्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घटना के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी और दहशत का माहौल फैल गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, रामोल-गतराड रोड पर स्थित टैलेंट पटाखा फैक्ट्री में अचानक आग लग गई। फैक्ट्री में भारी मात्रा में पटाखों का भंडारण होने के कारण आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। इसके साथ ही लगातार कई विस्फोट हुए, जिनकी आवाज दूर-दूर तक सुनाई दी। धमाकों से आसपास के लोग घबरा गए और बड़ी संख्या में मौके पर भीड़ जमा हो गई। घटना की सूचना मिलते ही अहमदाबाद फायर ब्रिगेड की पांच से अधिक दमकल गाड़ियां तत्काल घटनास्थल पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। कड़ी मशक्कत के बाद दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पा लिया।

बारिश की फुहारों के बीच निकली भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा:'हरे कृष्ण' के जयघोष से गूंजा भोपाल

रूस और अमेरिका से आए श्रद्धालु भी हुए शामिल

भोपाल (आरएनएस)। राजधानी भोपाल में शनिवार शाम बारिश की फुहारों के बीच भगवान श्रीजगन्नाथ की भव्य रथयात्रा निकली। हमीदिया रोड पर हजारों श्रद्धालुओं की मौजूदगी में भगवान श्रीजगन्नाथ, श्री बलराम और माता सुभद्रा का रथ जैसे ही आगे बढ़ा, पूरा क्षेत्र "हरे कृष्ण, हरे कृष्ण" के महामंत्र और भक्ति गीतों से गूंज उठा। बारिश के बावजूद श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा है। रथयात्रा में महिलाएं, पुरुष, युवा और बच्चे पारंपरिक व रंग-बिरंगे परिधानों में शामिल हुए हैं। श्रद्धालु भजन-कीर्तन करते हुए भगवान के रथ के साथ चल रहे हैं और जगह-जगह नृत्य कर भगवान के दर्शन कर रहे हैं। पूरे मार्ग पर भक्तिमय और आध्यात्मिक माहौल बना हुआ है। इस बार रथयात्रा में देश के साथ-साथ विदेशों से आए श्रद्धालु भी आकर्षण का केंद्र हैं। रूस और अमेरिका सहित कई देशों से पहुंचे कृष्ण भक्त भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा के रंग में रंगे नजर आए। विदेशी श्रद्धालु भी "हरे कृष्ण, हरे राम" के संकीर्तन में शामिल होकर भक्तों के साथ नृत्य कर रहे हैं। भगवान श्रीजगन्नाथ के लिए पुरी (ओडिशा) के प्रसिद्ध नंदीघोष रथ की परंपरा से प्रेरित विशेष रथ तैयार किया गया है। करीब 27 फीट ऊंचे, 13 फीट चौड़े और 17.5 फीट लंबे इस भव्य रथ को आकर्षक ढंग से सजाया गया है। रथयात्रा में रूस से आए इस्कॉन के वरिष्ठ प्रचारक द्विजमणि प्रभु भी शामिल हैं, जो श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक संदेश दे रहे हैं। यात्रा भोपाल टॉकीज़ से शुरू होकर हमीदिया रोड, भारत टॉकीज़, रोशनपुरा चौराहा, रंगमहल और न्यू मार्केट होते हुए माता मंदिर स्थित प्लेटिनम प्लाजा पहुंचेगी। वहां भगवान की आरती, महाप्रसाद वितरण और धार्मिक कार्यक्रम होंगे। रथयात्रा के शुभारंभ पर भोपाल की महापौर मालती राय ने भगवान की मंगल आरती की। मध्यप्रदेश सरकार की राज्यमंत्री कृष्णा गौर राजभोग आरती में शामिल होंगी, जबकि समापन अवसर पर मंत्री विश्वास सारंग भगवान की आरती कर श्रद्धालुओं को संबोधित करेंगे। श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद की विशेष व्यवस्था की गई है। यात्रा मार्ग में करीब 400 किलोग्राम खाजा महाप्रसाद वितरित किया जाएगा। वहीं प्लेटिनम प्लाजा में 5 से 7 हजार श्रद्धालुओं के लिए शुद्ध देसी घी से बने हलवे का महाप्रसाद रखा गया है।यात्रा को देखते हुए पूरे मार्ग पर सुरक्षा और यातायात के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। हमीदिया रोड सहित पूरे रूट पर बड़ी संख्या में पुलिस और ट्रैफिक जवान तैनात हैं, जो व्यवस्था पर लगातार नजर बनाए हुए हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में जगदीशपुर में होगी कैबिनेट की बैठक

संभाग आयुक्त श्री शर्मा और आईजी श्रीमती वर्धन ने कार्यक्रम स्थल पर देखीं व्यवस्थाएं

भोपाल(आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में 19 जुलाई, रविवार को जगदीशपुर में होने वाली कैबिनेट बैठक की व्यवस्थाओं के संबंध में शनिवार को भोपाल संभाग आयुक्त कर्मवीर शर्मा और आईजी (देहात रेंज) भोपाल श्रीमती रुचि वर्धन ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर सारी व्यवस्थाओं को देखा।

उन्होंने बैठक के सफल एवं सुचारू संपादन के संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान कलेक्टर प्रियंक मिश्रा, डीआईजी राजेश सिंह चंदेल, एसपी (देहात) पंकज पाण्डे सहित संबंधित विभागों के जिला एवं संभाग स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

निरीक्षण के दौरान संभाग आयुक्त श्री शर्मा ने निर्देश दिए कि बैठक के महत्व को देखते हुए सभी तैयारियां पूरी तरह चाक-चौबंद और त्रुटिहीन होनी चाहिए। उन्होंने वहां बैठक व्यवस्था, सुरक्षा मानकों, सौंदर्यीकरण तथा ई-कैबिनेट के लिए आवश्यक आधुनिक तकनीकी प्रबंधों को देखा। श्री शर्मा ने अधिकारियों से कहा कि वे दिए गए दायित्वों का पूरी निष्ठा और तत्परता के साथ निर्वहन करें ।

इलाज का पर्चा फेंकते हुए बोली, इसकी एंट्री नहीं करूंगी: मां का इलाज कराने पहुंचे युवक की शिकायत, कहा-अटेंडर से माफी मंगवाई

भोपाल (आरएनएस)। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS) भोपाल के मेडिकल ऑन्कोलॉजी विभाग में मरीज के परिजन के साथ कथित अभद्रता का मामला सामने आया है। मरीज के परिजन ने इसकी कार्यकारी निदेशक को लिखित शिकायत देकर मेडिकल ऑन्कोलॉजी विभाग की प्रो. डॉ. आकांक्षा चौधरी, ऑपरेटर निधि और अटेंडर अशोक पर दुर्व्यवहार करने, अपमानित करने और इलाज की प्रक्रिया में बाधा डालने के आरोप लगाए हैं। शिकायत मिलने के बाद एम्स प्रबंधन ने मामले की जांच कराने की बात कही है। शिकायतकर्ता विशाल पांडे ने बताया कि वह अपनी मां का इलाज कराने मेडिकल ऑन्कोलॉजी विभाग पहुंचे थे। उनका आरोप है कि शुरुआत से ही विभाग में तैनात अटेंडर अशोक ने उनसे अभद्र भाषा में बात की। विरोध करने पर वहां मौजूद ऑपरेटर निधि और प्रो. डॉ. आकांक्षा चौधरी ने अटेंडर का पक्ष लिया और उनसे अटेंडर से माफी मांगने के लिए कहा। शिकायत के अनुसार ऑपरेटर लगातार उन्हें कमरे से बाहर जाने के लिए भी कहती रही। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि डॉ. आकांक्षा चौधरी ने उनसे पर्चे पर यह लिखवाया कि वह अपनी माताजी का इलाज कराने आए हैं। इसके बाद ऑपरेटर निधि ने कथित तौर पर इलाज का पर्चा फेंकते हुए कहा, इसकी एंट्री नहीं करूंगी। शिकायतकर्ता का कहना है कि यह पूरा घटनाक्रम डॉक्टर की मौजूदगी और उनकी सहमति से हुआ। विशाल पांडे ने शिकायत में कहा है कि एम्स जैसे राष्ट्रीय स्तर के संस्थान में मरीजों और उनके परिजनों के साथ सम्मानजनक व्यवहार होना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि इलाज कराने आए लोगों के साथ इस प्रकार का व्यवहार अस्वीकार्य है।

सूबेदार (अ) स्टेनो और सहायक उप निरीक्षक (अ) भर्ती का अंतिम परिणाम जारी, 438 अभ्यर्थियों का चयन

भोपाल, (निप्र)। मध्य प्रदेश पुलिस में सूबेदार (अ) (स्टेनो) और सहायक उप निरीक्षक (अ) के पदों पर भर्ती प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। मप्र कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) द्वारा आयोजित भर्ती परीक्षा-2025 का अंतिम परिणाम जारी कर दिया गया है। इसमें कुल 438 अभ्यर्थियों का चयन किया गया है। जबकि न्यायालय के आदेश के चलते कुल 13 प्रतिशत पदों का परिणाम फिलहाल रोक दिया गया है। इन पदों पर आगे की कार्रवाई न्यायालय के निर्देशों के अनुसार की जाएगी। जनसंपर्क अधिकारी राजेश दाहिमा ने शनिवार को बताया कि जारी चयन सूची के अनुसार सूबेदार (अ) (स्टेनो) के 88 अभ्यर्थियों का चयन हुआ है। इनमें 30 महिला और 58 पुरुष अभ्यर्थी शामिल हैं। वहीं, सहायक उप निरीक्षक (अ) के 350 अभ्यर्थियों का चयन किया गया है, जिसमें 122 महिला और 228 पुरुष अभ्यर्थी हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस विभाग में करीब आठ वर्षों से स्टेनोग्राफर और कार्यालयीन स्टाफ की भर्ती नहीं होने के कारण बड़ी संख्या में पद रिक्त थे। इन पदों को भरने के लिए पुलिस मुख्यालय ने वर्ष 2025 में शासन को प्रस्ताव भेजा था। इसके बाद शासन ने 100 सूबेदार (अ) (स्टेनो) और 400 सहायक उप निरीक्षक (अ) समेत कुल 500 पदों पर भर्ती की मंजूरी दी थी।भर्ती प्रक्रिया के तहत कर्मचारी चयन मंडल ने 19 सितंबर 2025 को विज्ञापन जारी किया था। आवेदन प्रक्रिया 3 अक्टूबर से 30 अक्टूबर 2025 तक चली। इसके बाद 17 और 18 दिसंबर 2025 को ऑनलाइन लिखित परीक्षा आयोजित की गई, जिसका परिणाम 17 फरवरी 2026 को घोषित हुआ। चयन प्रक्रिया के अगले चरण में 2 से 4 जून 2026 तक हिंदी टंकण, शीघ्र लेखन और दस्तावेज परीक्षण किया गया।लिखित और व्यावहारिक परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर मेरिट सूची तैयार कर श्रेणीवार अंतिम चयन सूची जारी की गई। चयनित अभ्यर्थियों को दस्तावेज सत्यापन, चिकित्सीय परीक्षण और अन्य औपचारिकताएं पूरी करने के बाद नियुक्ति दी जाएगी।

बारिश की आस में अनोखा टोटका

भोपाल में गधों को खिलाए गुलाब जामुन, इंद्रदेव से की झमाझम बारिश की प्रार्थना

भोपाल, (निप्र.)। मध्य प्रदेश में मानसून की सुस्त चाल और लगातार कम हो रही बारिश ने किसानों से लेकर आम लोगों तक की चिंता बढ़ा दी है। राजधानी भोपाल में कई दिनों से तेज बारिश नहीं होने और बढ़ती उमस के बीच शनिवार को एक अनोखा नजारा देखने को मिला। कोलार रोड स्थित गेस्ट हाउस (कोलार तिराहा) के पास स्थानीय लोगों ने वर्षों पुरानी लोकमान्यता के तहत गधों को फूल-मालाएं पहनाकर उनका स्वागत किया और उन्हें गुलाब जामुन खिलाकर इंद्रदेव से अच्छी बारिश की प्रार्थना की।यह अनोखा आयोजन देखते ही देखते लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गया। बड़ी संख्या में राहगीर वहां रुक गए, कई लोगों ने मोबाइल से वीडियो बनाए और सोशल मीडिया पर साझा किए, जिसके बाद यह आयोजन तेजी से वायरल हो गया। आयोजकों का कहना है कि यह कोई नया प्रयोग नहीं, बल्कि मालवा-निमाड़ अंचल सहित प्रदेश के कई हिस्सों में वर्षों से चली आ रही लोक परंपरा का हिस्सा है। मान्यता है कि जब मानसून कमजोर पड़ जाता है या समय पर बारिश नहीं होती, तब गधों को मिठाई खिलाकर और उनका सम्मान कर इंद्रदेव को प्रसन्न करने की प्रार्थना की जाती है, जिससे अच्छी वर्षा होती है। आयोजन के दौरान लोगों ने इंद्र देव मान जाओ लिखी तख्तियां भी हाथों में लेकर प्रदेश में झमाझम बारिश, किसानों की खुशहाली और जल स्रोतों के भरने की कामना की। आयोजक मुजाहिद सिद्दीकी ने बताया कि प्रदेश का किसान खरीफ फसलों की बोवनी कर चुका है और खेती पर लाखों रुपये खर्च कर चुका है, लेकिन पर्याप्त बारिश नहीं होने से खेतों में नमी खत्म होने लगी है। यदि जल्द अच्छी वर्षा नहीं हुई तो धान, सोयाबीन, मक्का, कपास सहित कई फसलें प्रभावित हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि यह आयोजन किसी राजनीतिक विरोध के लिए नहीं, बल्कि किसानों, जल स्रोतों और पूरे प्रदेश की खुशहाली की कामना के लिए किया गया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इंद्रदेव मेहरबान होंगे और प्रदेश में जल्द अच्छी बारिश होगी। स्थानीय लोगों ने बताया कि लोकविश्वास के अनुसार गधा शीतला माता का वाहन माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि जब गधे को मिठाई खिलाकर उसका सम्मान किया जाता है तो शीतला माता प्रसन्न होती हैं और इंद्रदेव अच्छी वर्षा करते हैं।

भोपाल में निगम की अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई तेज, कई क्षेत्रों से ठेले-गुमठियां हटाईं, सामान जब्त

भोपाल, (निप्र.)। भोपाल नगर निगम ने शहर में अतिक्रमण हटाने के अभियान के तहत शनिवार को विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक कार्रवाई करते हुए सड़क और फुटपाथ पर किए गए अतिक्रमण हटाए। इस दौरान ठेले, गुमठियां, पान पार्लर, कैरेड, बोर्ड, दुकानों के बाहर रखा सामान तथा आवागमन में बाधा बन रहे वाहनों को हटाया गया। अभियान के दौरान कई सामान भी जब्त किए गए।नगर निगम आयुक्त संस्कृति जैन के निर्देश पर अतिक्रमण निरोधक दस्ते ने यह कार्रवाई सीएम हेल्पलाइन, महापौर हेल्पलाइन और अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों के निराकरण के साथ-साथ नियमित अभियान के तहत की। कार्रवाई कोलार रोड, सर्वधर्म कॉलोनी, चूनाभट्टी, ललिता नगर, डी-मार्ट, जेके अस्पताल, सनखेड़ी, शिवाजी नगर, रेडक्रॉस अस्पताल, माचना कॉलोनी, भदभदा चौराहा, सूरज नगर, टीटी नगर, जवाहर चौक, सरस्वती नगर, रोशनपुरा, भारत माता चौराहा, सैर सपाटा, लिंक रोड क्रमांक-1, 2 और 3, नेहरू नगर, बिट्टन मार्केट, सात नंबर बस स्टॉप, इंद्रपुरी, गोविंदपुरा औद्योगिक क्षेत्र, रायसेन रोड, अशोका गार्डन, हमीदिया रोड, भोपाल टॉकीज, कोहेफिजा, जहांगीराबाद, कमला पार्क, पॉलीटेक्निक और रवींद्र भवन सहित कई इलाकों में की गई।

विश्व जनसंख्या दिवस पर परिवार कल्याण में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्यकर्ता हुए सम्मानित

भोपाल(आरएनएस)। 11 जुलाई से संचालित विश्व जनसंख्या दिवस जागरूकता सप्ताह के समापन अवसर पर परिवार कल्याण में बेहतर कार्य करने पर स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, भोपाल के निर्देशन में 18 जुलाई सिविल डिस्पेंसरी कमला नगर में आयोजित कार्यक्रम में मैदानी कार्यकर्ताओं को उनकी सराहनीय भूमिका के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किये गए। विश्व जनसंख्या स्थिरता दिवस जागरूकता सप्ताह में जिले की विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं एवं सामुदायिक स्तर जागरूकता रैलियों, नुक्कड़ नाटकों एवं नवदम्पत्ति परामर्श कार्यक्रमों द्वारा परिवार कल्याण के विभिन्न उपायों की जानकारी दी जा रही है।

नवदंपत्तियों को नई पहल किट प्रदान कर परिवार नियोजन के अस्थाई साधनों की जानकारी दी गई है। 18 जुलाई को आयोजित कार्यक्रम में परिवार कल्याण कार्यक्रम में पहले और दूसरे बच्चे में अंतर रखने,अंतरा इंजेक्शन के लिए प्रोत्साहित करने एवं अंतरा इंजेक्शन लगवाने, पीपीआईयूसीडी लगवाने वाले कार्यकर्ता सम्मानित हुए।इस अवसर पर जिला स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण अधिकारी डॉ. फणींद्र शर्मा, जिला कार्यक्रम प्रबन्धक अनीता दुगाया उपस्थित रहे।

ये कार्यकर्ता हुए सम्मानित

हेमलता वर्मा-ग्राम नरेला, विमला वर्मा, ग्राम खुरचनी, सोनम खटिक - ग्राम नायसमंद, नशरीन - ग्राम हर्राखेड़ा, रजिया बंसकार - ग्राम चन्दनखेड़ी, अनिल सिंगरौले - ग्राम बगरौदा, एकता पटेल, उप स्वास्थ्य केंद्र ललरिया, कोमल सोनी हर्राखेड़ा , सोनल धोटे मुगालिया छाप, बबिता शाह प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मिसरोद,अंजुम खान गुनगा, कंचन गीद नजीराबाद।

विरोध के बाद खुली शराब दुकान, 2 दिन का आश्वासन

भोपाल के रविंद्र भवन के पास शिफ्ट; लोग बोले- रात में हुड़दंग हुआ

भोपाल(आरएनएस)। पॉलीटेक्निक चौराहे के पास प्रोफेसर कॉलोनी में शराब दुकान थी। इसे लेकर बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शन हो चुके हैं। इसके चलते शुक्रवार को यह दुकान करीब 300 मीटर दूर रविंद्र भवन के पास नाले किनारे शिफ्ट कर दी गई।इस नाले के ऊपर सीमेंट क्रांकीट का स्लैब बनाया गया था। यहीं पर शराब की टीनशेड नुमा दुकान रख दी गई और शराब बेची भी जा रही थी। इसे लेकर पूरे दिन हंगामा हुआ। प्रशासनिक अधिकारियों के आश्वासन के बाद लोग यहां से हटे। शनिवार को दुकान खोली गई, लेकिन लोगों का विरोध जारी रहा।

गर्वनर हाउस के सामने ही दुकान

कांग्रेस नेता शोएब खान ने बताया कि दुकान लोकभवन (गर्वनर हाउस) के सामने ही खुली है। रविंद्र भवन समेत कई सरकारी दफ्तर पास में है। पास में रहवासी इलाका है। जहां की महिलाएं आना-जाना करती हैं। शनिवार को भी महिला-बच्चे जब दुकान के सामने से गुजरे तो शराबी बाहर हुड़दंग करते हुए नजर आए। वहीं, रात में एक व्यक्ति शराब के नशे में नग्न हालत में पड़ा रहा।दो दिन के बाद फिर प्रदर्शन करेंगे खान ने कहा कि दो दिन में यदि दुकान नहीं हटी तो फिर से प्रदर्शन करेंगे।

भोपाल में डेढ़ लाख की स्मैक समेत दो तस्कर गिरफ्तार

डिलीवरी से पहले पुलिस ने दबोचा, सप्लायर भी पकड़ाया; दोनों से की जा रही पूछताछ

भोपाल(आरएनएस)। टीलाजमालपुरा पुलिस ने शनिवार सुबह कार्रवाई करते हुए स्मैक तस्करी में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से करीब 9 ग्राम स्मैक बरामद की है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग डेढ़ लाख रुपए बताई जा रही है। दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस के अनुसार शनिवार सुबह मुखबिर से सूचना मिली थी कि इमामी गेट क्षेत्र में एक युवक संदिग्ध अवस्था में मादक पदार्थ लेकर घूम रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और वरुण दांगी को घेराबंदी कर पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से करीब 9 ग्राम स्मैक बरामद हुई।पूछताछ में वरुण दांगी ने पुलिस को बताया कि वह यह स्मैक लांबाखेड़ा निवासी अनुज साहू से लेकर आया था। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए अनुज साहू को भी गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है और यह पता लगाया जा रहा है कि स्मैक की खेप कहां से लाई गई थी तथा इसे किन लोगों तक पहुंचाया जाना था। पुलिस मामले से जुड़े अन्य संभावित आरोपियों और तस्करी के नेटवर्क की भी जांच कर रही है।

पंच-ज अभियान के अंतर्गत एल.एन.सी.टी. लॉ यूनिवर्सिटी में हुआ वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिया गया संदेश

भोपाल(निप्र) मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशन में तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष,जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भोपाल मनोज कुमार श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण,भोपाल द्वारा सचिव सुनीत अग्रवाल के नेतृत्व में पंच-ज अभियान के अंतर्गत एल.एन.सी.टी. लॉ यूनिवर्सिटी, भोपाल में वृक्षारोपण एवं विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला विधिक सहायता अधिकारी मुहम्मद जीलानी उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय की डीन डॉ. एम. के. साहू, रजिस्ट्रार श्री सोनी, एनसीसी अधिकारी, प्राध्यापकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की। इस अवसर पर विभिन्न प्रजातियों के लगभग 100 पौधों का रोपण किया गया तथा सभी ने उनके संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सचिव सुनीत अग्रवाल ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। प्रत्येक नागरिक को कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी नियमित देखभाल करनी चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से वृक्षारोपण को जनभागीदारी का अभियान बनाने तथा प्रकृति के संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित नि:शुल्क विधिक सहायता, लोक अदालत तथा विभिन्न विधिक जागरूकता योजनाओं की जानकारी भी दी गई। उन्हें बताया गया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण समाज के जरूरतमंद एवं वंचित वर्गों को नि:शुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्यरत है। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थितजनों ने हरित एवं स्वच्छ पर्यावरण के निर्माण हेतु अधिकाधिक वृक्षारोपण करने तथा लगाए गए पौधों के संरक्षण का सामूहिक संकल्प लिया।

चार्जिंग पर लगी ई-स्कूटी में शॉर्ट सर्किट से लगी आग, लाखों का नुकसान

मंदसौर (आरएनएस.) । मध्य प्रदेश के मंदसौर शहर के गांधीनगर क्षेत्र में शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात करीब 3 बजे एक मकान में भीषण आग लग गई। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण घर के अंदर चार्जिंग पर लगी इलेक्ट्रिक स्कूटी में हुआ शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। आग ने कुछ ही देर में विकराल रूप ले लिया। मकान के निचले हिस्से में प्लास्टिक का सामान और पानी की टंकियों से भरा गोदाम होने के कारण आग तेजी से फैल गई।जानकारी के अनुसार, गांधीनगर क्षेत्र में रहने वाले व्यापारी सचिन जैन के मकान में रात के समय अचानक आग लग गई। बताया जा रहा है कि घर के अंदर इलेक्ट्रिक स्कूटी चार्जिंग पर लगी हुई थी। इसी दौरान शॉर्ट सर्किट होने से आग भड़क उठी। शुरूआत में आग स्कूटी के आसपास लगी, लेकिन कुछ ही समय में उसने पूरे निचले हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया। गोदाम में प्लास्टिक का सामान बड़ी मात्रा में रखा होने से आग तेजी से फैलती चली गई। मकान में आग लगने की सूचना मिलते ही नगर पालिका की फायर ब्रिगेड, पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंच गया। राहत और बचाव टीम

ने तुरंत कार्रवाई शुरू की। फायर टीम ने मकान की पहली मंजिल पर मौजूद परिवार के सदस्यों को सुरक्षित बाहर निकाला।

करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद सभी लोगों का सफलतापूर्वक रेस्क्यू कर लिया गया। हादसे में किसी के घायल होने या जनहानि की सूचना नहीं है। आग बुझाने के लिए फायर ब्रिगेड की टीम ने स्थानीय लोगों की मदद से लगातार प्रयास किया। करीब एक घंटे की कड़ी मेहनत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया गया। हालांकि, इस दौरान मकान के निचले हिस्से में रखा प्लास्टिक का सामान और गोदाम का अन्य सामान जलकर पूरी तरह नष्ट हो गया। प्रारंभिक आकलन के अनुसार, इस अग्निकांड में करीब 5 लाख रुपये के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। आग में गोदाम में रखा सामान और मकान के निचले हिस्से को काफी नुकसान पहुंचा है। फिलहाल पुलिस और संबंधित विभाग पूरे मामले की जांच कर रहे हैं। आग लगने के वास्तविक कारणों की पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी। घटना के बाद क्षेत्रीय विधायक विपिन जैन भी व्यापारी के घर पहुंचे और स्थिति को देखा एवं हर संभव मदद की बात कही।

अजजा आयोग के सदस्य श्री धुर्वे ने भगवान श्री महाकालेश्वर के दर्शन किए

उज्जैन ,(आरएनएस.) । मध्य प्रदेश राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य मंगल सिंह धुर्वे ने शनिवार को उज्जैन प्रवास के दौरान भगवान श्री महाकालेश्वर मंदिर पहुंचकर वहां भगवान श्री महाकालेश्वर के दर्शन किए।

ओंकारेश्वर में नर्मदा स्नान के दौरान डूबने लगा बीटेक छात्र, रेस्क्यू टीम की मुस्तैदी से टला हादसा, बचाई जान

ओंकारेश्वर (आरएनएस.) । मध्यप्रदेश के खंडवा जिले की तीर्थनगरी ओंकारेश्वर में घाटों पर गहरे पानी और तेज बहाव के चलते शनिवार को एक बड़ा हादसा होते-होते रह गया। ओंकारेश्वर में नर्मदा नदी में स्नान के लिए उतरा एक बीटेक का छात्र तेज बहाव के चलते अचानक गहरे पानी की ओर चला गया और डूबने लगा, जिसके बाद समय रहते स्थानीय

युवकों, गोताखोरों और एसडीईआरएफ के जवानों की तत्परता से डूब रहे एक छात्र की जान बचा ली गई। रेस्क्यू टीम की मुस्तैदी से एक बड़ी अनहोनी टल गई। छात्र को नदी से बाहर निकालने के बाद उसे प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस पूरी घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें बचाव दल को नदी में डूबते छात्र को रेस्क्यू कर बाहर निकालते देखा जा सकता है। जानकारी के अनुसार, तेलंगाना निवासी 18 वर्षीय कल्याण अपने छह दोस्तों के साथ भगवान ओंकारेश्वर के दर्शन के लिए आया था। सभी छात्र गुजरात की पारुल यूनिवर्सिटी में बीटेक द्वितीय वर्ष के विद्यार्थी हैं। दर्शन करने के बाद सभी मित्र नर्मदा नदी में स्नान करने के लिए घाट पर पहुंचे। इसी दौरान कल्याण अचानक गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। उसे पानी में डूबता देख उसके दोस्तों ने शोर मचाया और मदद के लिए लोगों को बुलाया।आवाज सुनते ही घाट पर मौजूद स्थानीय युवक, प्रशिक्षित गोताखोर और एसडीईआरएफ के जवान तुरंत मौके पर पहुंचे और बिना समय गंवाए उन्होंने नदी में रेस्क्यू शुरू कर छात्र को बाहर निकाला।

किन्नर महामंडलेश्वर संजना सिंह ने फूंका चुनावी बिगुल

बोलीं- 'मां पीतांबरा ने मुझे दतिया के लिए चुना'

दतिया, (ए.)। मध्य प्रदेश के दतिया विधानसभा उपचुनाव में 21 प्रत्याशियों के बीच मुकाबला अब और दिलचस्प होता जा रहा है। भाजपा, कांग्रेस और आजाद समाज पार्टी के साथ अब भारतीय गण वार्ता पार्टी की प्रत्याशी एवं किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर संजना सिंह (संजना नंद गिरि) ने भी चुनावी बिगुल फूंक दिया है।शनिवार को कार्यालय उद्घाटन के साथ वे जल्द ही जनसंपर्क और चुनावी सभाओं की शुरुआत करेंगी। उनके प्रचार अभियान में देशभर से किन्नर अखाड़ों के संतों और उस्तादों के शामिल होने की भी तैयारी है। उनका चुनाव चिन्ह बैटरी टॉर्च है।भोपाल निवासी संजना सिंह के नाम मध्य प्रदेश की पहली ट्रांसजेंडर सरकारी कर्मचारी बनने का रिकॉर्ड दर्ज है। वे सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण विभाग में सेवाएं दे चुकी हैं। स्वच्छ भारत मिशन और राज्य निर्वाचन आयोग की स्टेट आइकॉन भी रहीं। करीब दो वर्ष पहले उन्होंने सरकारी नौकरी छोड़कर किन्नर अखाड़े का दामन थामा, जहां उन्हें महामंडलेश्वर की उपाधि मिली।

जेल महानिदेशक डॉ वरुण कपूर द्वारा शाजापुर जिला जेल का सघन निरीक्षण

शाजापुर,(आरएनएस.)। महानिदेशक जेल एवं सुधारात्मक सेवाएँ, मध्यप्रदेश, भोपाल डॉ. वरुण कपूर (आईपीएस) द्वारा दिनांक 17 जुलाई 2026 को जिला जेल, शाजापुर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जेल की सुरक्षा व्यवस्था, भोजन व्यवस्था, साफ-सफाई, बंदियों के लिए उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं तथा समग्र प्रशासनिक व्यवस्थाओं का गहन अवलोकन किया तथा व्यबवस्थाधओं पर प्रसन्नता व्यंक्तक करते हुए संबंधित अधिकारियों को जेलों की सुरक्षा व्य वस्थास को और अधिक सुदृढ़ करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि जेलों की सुरक्षा व्यवस्था जेल विभाग का प्रथम दायित्व है, इसलिए सुरक्षा संबंधी सभी व्यवस्थाओं का प्रभावी एवं सतत पालन सुनिश्चित किया जाए। निरीक्षण के दौरान डॉ. कपूर ने बंदियों के सुधार, पुनर्वास एवं जेल व्यवस्थाओं में गुणात्मक सुधार हेतु किए जा रहे उल्लेखनीय प्रयासों की जानकारी दी। जेल में निरुद्ध बंदियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। बंदियों ने किसी भी प्रकार की समस्या नहीं होना बताया गया तथा जेल विभाग द्वारा उनके कल्याण एवं सुधार हेतु किए जा रहे प्रयासों के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पदोन्न त होने पर उप अधीक्षक एस. के. मण्डलेकर के कंधे पर अशोक स्तंभ, प्रमुख मुख्य प्रहरी बी. एल. चौधरी के कंधे पर एक स्टार, तथा मुख्य प्रहरी श्रीमती रेशमा भाभर, श्रीमती मालती अम्रतफले एवं आबिद अंसारी के बाजू पर तीन फीती लगाकर उन्हें सम्मानित किया गया। तत्पश्चात महानिदेशक महोदय ने "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के अंतर्गत जेल परिसर में पौधारोपण किया तथा उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पर्यावरण संरक्षण, अधिकाधिक वृक्षारोपण एवं प्रकृति संवर्धन का संकल्प दिलाया।

व्यापार समाचार

भारत टेक्स 2026 बना वैश्विक टेक्सटाइल हब, मिले 14,300 करोड़ के निवेश प्रस्ताव

नई दिल्ली,(ए.)। भारत के प्रमुख टेक्सटाइल प्रदर्शनी कार्यक्रम भारत टेक्स 2026 के तीसरे संस्करण में 130 से अधिक देशों के 6,000 से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय खरीदारों और करीब 1.30 लाख व्यापारिक आगंतुकों ने हिस्सा लिया। सरकार के अनुसार, इस आयोजन ने भारतीय पारंपरिक कला और टेक्सटाइल उद्योग को वैश्विक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, 1.6 मिलियन वर्ग फुट क्षेत्र में आयोजित इस प्रदर्शनी में 20,000 से अधिक टेक्सटाइल उत्पाद प्रदर्शित किए गए। यह आयोजन भारतीय विरासत, उद्योग, सतत विकास (सस्टेनेबिलिटी) और वैश्विक व्यापार का प्रमुख मंच बनकर उभरा।इस प्रदर्शनी में फाइबर, यार्न, फैब्रिक, अपैरल, होम टेक्सटाइल्स, टेक्निकल टेक्सटाइल्स, हैंडलूम और हैंडीक्राफ्ट्स सहित पूरे टेक्सटाइल वैल्यू चेन को शामिल किया गया। आयोजन में बिहार की प्रसिद्ध टिकुली आर्ट भी आकर्षण का केंद्र रही, जो अपनी चमकदार रंगों और बारीक इनामेल वर्क के लिए जानी जाती है। वहीं, करीब 120 बुनकरों का प्रतिनिधित्व करने वाली निर्यातक हैंडलूम कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड ने हैंडलूम एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल की ओर से उपलब्ध कराए गए रियायती स्टॉल के माध्यम से अपने घरेलू स्तर पर तैयार किए जाने वाले हैंडलूम उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय खरीदारों के सामने पेश किया।इस आयोजन में भारत और विदेशों से प्रदर्शकों, खरीदारों, निवेशकों, नीति निर्माताओं और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया, जो भारतीय टेक्सटाइल सेक्टर में बढ़ते वैश्विक विश्वास को दर्शाता है। प्रदर्शनी में 1,600 से अधिक प्रदर्शक और 11,000 से ज्यादा खरीदार शामिल हुए।इस दौरान 28,000 से अधिक बिजनेस-टू-बिजनेस (बी2बी) बैठकें आयोजित हुईं। साथ ही 100 से अधिक गवर्नमेंट-टू-गवर्नमेंट (जी2जी) और बिजनेस-टू-गवर्नमेंट (बी2जी) बैठकें भी हुईं। इन बैठकों के जरिए 14,300 करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए।

सरकार का दावा: पीएम-अजय योजना ने बदली लाखों लोगों की जिंदगी, हजारों गांव हुए आदर्श ग्राम

नई दिल्ली (ए.) । प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना (पीएम-अजय) के तहत अनुसूचित जाति (एससी) समुदायों के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण को लगातार बढ़ावा दिया जा रहा है। सरकार के अनुसार, यह योजना गरीबी कम करने, आजीविका के अवसर बढ़ाने और बुनियादी ढांचे के विकास के जरिए एससी समुदाय के जीवन स्तर में सुधार ला रही है।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने शनिवार को जारी एक बयान में कहा कि सरकार की यह प्रमुख योजना टेक्नोलॉजी आधारित और परिणामोन्मुख (आउटकम ओरिएंटेड) कार्यप्रणाली के जरिए समावेशी विकास को बढ़ावा दे रही है। बयान के अनुसार, पीएम-अजय योजना के आदर्श ग्राम घटक के तहत देश भर के 47,316 गांवों को शामिल किया गया है, जिससे अब तक 47 लाख 59 हजार 399 नागरिकों को लाभ मिला है।मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि योजना के तहत अब तक 46,782 विकास कार्य पूरे किए जा चुके हैं, जबकि 24,133 विलेज डेवलपमेंट प्लान (वीडीपी) तैयार किए गए हैं।

इस हफ्ते सोना 2,200 और चांदी करीब 4,900 हुई सस्ती, जानिए नए भाव

नई दिल्ली ,(आरएनएस.) । सर्राफा बाजार में इस सप्ताह सोने और चांदी की कीमतों में लगातार गिरावट दर्ज की गई। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के ताजा आंकड़ों के अनुसार, 24 कैरेट सोना सप्ताहभर में 2,209 प्रति 10 ग्राम सस्ता होकर 1,41,159 प्रति 10 ग्राम पर आ गया। इससे पहले इसकी कीमत 1,43,368 प्रति 10 ग्राम थी।

इसी तरह, 22 कैरेट सोने का भाव 1,31,325 से घटकर 1,29,302 प्रति 10 ग्राम रह गया। वहीं, 18 कैरेट सोने की कीमत 1,07,526 से घटकर 1,05,869 प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई।

इस सप्ताह 24 कैरेट सोने का उच्चतम स्तर 13 जुलाई की सुबह 1,42,289 प्रति 10 ग्राम रहा, जबकि 17 जुलाई की शाम इसका न्यूनतम स्तर 1,41,159 प्रति 10 ग्राम दर्ज किया गया।

चांदी की कीमतों में भी बड़ी गिरावट देखने को मिली। एक सप्ताह में चांदी 4,917 प्रति किलोग्राम सस्ती होकर 2,20,390 से घटकर 2,15,474 प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। सप्ताह के दौरान चांदी का उच्चतम भाव 15 जुलाई की सुबह 2,20,391 प्रति किलोग्राम और न्यूनतम भाव 17 जुलाई की शाम 2,15,474 प्रति किलोग्राम दर्ज किया गया।

आईबीजेए प्रतिदिन दो बार—सुबह और शाम—सोने और चांदी के ताजा भाव जारी करता है, जिनके आधार पर देशभर के सर्राफा बाजार में कीमतों का आकलन किया जाता है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार की बात करें तो सोना करीब 4,000 डॉलर प्रति औंस और चांदी लगभग 57 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर कारोबार कर रही है।

बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, निवेशकों की बदलती रणनीति और अंतरराष्ट्रीय भू-राजनीतिक घटनाक्रम के चलते कीमती धातुओं की कीमतों में उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। ऐसे में आने वाले दिनों में भी सोना और चांदी की कीमतों में अस्थिरता बनी रह सकती है।

इंडिया पोस्ट ने लॉन्च किया मैस्कॉट डिजाइन कॉन्टेस्ट, विजेताओं को मिलेगा 2 लाख तक का इनाम

नई दिल्ली (ए.)। डिपार्टमेंट ऑफ पोस्ट्स ने इनोवेट इंडिया मायगव प्लेटफॉर्म पर 'इंडिया पोस्ट मैस्कॉट डिजाइन कॉन्टेस्ट' शुरू किया है। इस प्रतियोगिता के तहत देश भर के नागरिकों को इंडिया पोस्ट का आधिकारिक मैस्कॉट डिजाइन करने के लिए आमंत्रित

किया गया है। सरकार की ओर से शनिवार को जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, मैस्कॉट डिजाइन और मैस्कॉट नेमिंग श्रेणियों को मिलाकर कुल 2 लाख रुपए के पुरस्कार दिए जाएंगे।संचार मंत्रालय ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य ऐसा विशिष्ट ब्रांड एंबेसडर तैयार करना है, जो इंडिया पोस्ट के मूल मूल्यों-विश्वसनीयता, भरोसा, समावेशिता, सेवा और डिजिटल इनोवेशन-को दर्शाए। मंत्रालय ने बताया कि यह प्रतियोगिता सभी भारतीय नागरिकों के लिए खुली है। प्रतिभागियों को मायगव प्लेटफॉर्म के माध्यम से एक मौलिक मैस्कॉट डिजाइन, उसके लिए उपयुक्त नाम और एक संक्षिप्त कॉन्सेप्ट नोट जमा करना होगा। प्रतियोगिता के लिए प्रविष्टियां 15 जुलाई से 15 अगस्त तक स्वीकार की जाएंगी।रचनात्मक भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने मैस्कॉट डिजाइन श्रेणी में पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाले प्रतिभागियों के लिए क्रमश: 75,000 रुपए, 50,000 रुपए और 25,000 रुपए के नकद पुरस्कार घोषित किए हैं।इसके अलावा मैस्कॉट नेमिंग श्रेणी में भी पहले, दूसरे और तीसरे स्थान के लिए क्रमश: 25,000 रुपए, 15,000 रुपए और 10,000 रुपए के नकद पुरस्कार दिए जाएंगे।

RBI का बड़ा एक्शन! मुथूट फाइनेंस समेत 6 कंपनियों पर लगाया जुर्माना, ये है बड़ी वजह

नई दिल्ली(ए.)। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने नियामकीय नियमों का उल्लंघन करने पर छह गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (NBFC) के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। केंद्रीय बैंक ने अलग-अलग मामलों में नियमों का पालन नहीं करने पर इन कंपनियों पर लाखों रुपये का जुर्माना लगाया है। हालांकि, RBI ने साफ किया है कि यह कार्रवाई केवल नियामकीय कमियों के कारण की गई है और इससे ग्राहकों की जमा राशि या सेवाओं पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

किन कंपनियों पर कितना लगा जुर्माना?

RBI की अधिसूचना के अनुसार, अवेल फाइनेंशियल सर्विसेज पर सबसे अधिक 6.20 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। वहीं मुथूट फाइनेंस पर 5.80 लाख रुपये, सत्या माइक्रोकैपिटल और PAN Emami Cosmed पर 3.10-3.10 लाख रुपये, जबकि धनी लोन्स एंड सर्विसेज और मुथूट व्हीकल एंड एसेट फाइनेंस पर 2.70-2.70 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

मुथूट फाइनेंस पर क्यों हुई कार्रवाई?

RBI के अनुसार, मुथूट फाइनेंस ग्राहकों के खातों के जोखिम का समय-समय पर उचित आकलन करने में विफल रही। इसके अलावा कंपनी के पास संदिग्ध वित्तीय लेनदेन की पहचान और समय पर रिपोर्टिंग के लिए आवश्यक मजबूत तकनीकी प्रणाली भी नहीं थी। इन कमियों को गंभीर मानते हुए केंद्रीय बैंक ने आर्थिक दंड लगाया।

अन्य कंपनियों की क्या रही चूक?

अवेल फाइनेंशियल सर्विसेज पर आरोप है कि उसके प्रबंध निदेशक दो अन्य NBFC में भी निदेशक पद पर थे। साथ ही कंपनी ने एक ग्राहक या समूह को निर्धारित सीमा से अधिक ऋण उपलब्ध कराया। PAN Emami Cosmed पर भी एक ही समूह की कंपनियों को तय सीमा से अधिक कर्ज देने के कारण कार्रवाई की गई। वहीं सत्या माइक्रोकैपिटल ने पुनर्गठित किए गए कुछ ऋण खातों को समय पर NPA घोषित नहीं किया, जो RBI के नियमों का उल्लंघन माना गया।

क्या ग्राहकों को घबराने की जरूरत है?

वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि इस कार्रवाई से ग्राहकों को चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। RBI नियमित रूप से बैंकों और NBFC की निगरानी करता है और नियमों के उल्लंघन पर जुर्माना लगाता है। इसका उद्देश्य वित्तीय प्रणाली को अधिक सुरक्षित, पारदर्शी और विश्वसनीय बनाना है, ताकि भविष्य में कंपनियां नियामकीय मानकों का बेहतर पालन करें और ग्राहकों के हित सुरक्षित रहें।

पाकिस्तान में पेट्रोल और डीजल महंगा: अब रोजाना तय होंगी ईंधन की कीमतें, डीलर्स ने किया विरोध

इस्लामाबाद (ए.) । ईरान-अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव और वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के बीच पाकिस्तान सरकार ने पेट्रोल और हाई-स्पीड डीजल (एचएसडी) की कीमतों में बढ़ोतरी कर दी है। सरकारी फरमान जारी किया गया है जिसके मुताबिक अब ईंधन की कीमतें रोजाना तय की जाएंगी। इस ऐलान का जमीन पर विरोध भी दिखने लगा है।

सरकार ने पेट्रोल 5.44 पीकेआर (पाकिस्तानी रुपये) प्रति लीटर और डीजल 31.05 पाकिस्तानी रुपये प्रति लीटर महंगा किया है। नई दरें शनिवार से लागू हो गईं और ये 20 जुलाई तक प्रभावी रहेंगी। बढ़ोतरी के बाद पाकिस्तान में पेट्रोल की कीमत 316.15 रुपये प्रति लीटर और हाई-स्पीड डीजल की कीमत 354.35 रुपये प्रति लीटर हो गई है।

पाकिस्तान के प्रमुख अंग्रेजी दैनिक डॉन ने बताया कि पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक ने घोषणा की कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में लगातार उतार-चढ़ाव और ईरान-अमेरिका तनाव के कारण अब देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें रोजाना तय की जाएंगी। उन्होंने बताया कि वजीर-ए-आजम और केंद्रीय मंत्रिमंडल ने ऑयल एंड गैस रेगुलेटरी अथॉरिटी (ओजीआरए) को अंतरराष्ट्रीय बाजार के आधार पर प्रतिदिन ईंधन की कीमतें तय करने की जिम्मेदारी सौंपी है। ओजीआरए अब अपनी वेबसाइट पर कीमतों के साथ-साथ उनके निर्धारण के आधार भी सार्वजनिक करेगा।मार्च की शुरुआत से पाकिस्तान सरकार हर सप्ताह ईंधन की कीमतों की समीक्षा कर रही थी। साथ ही, मध्य पूर्व में संघर्ष के चलते संभावित तेल आपूर्ति संकट को देखते हुए ईंधन बचत के उपाय और अप्रैल में लक्षित ईंधन सब्सिडी भी लागू की गई थी।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

अब इम्तहान राज्य एवं केंद्र सरकारों का

अब इम्तहान राज्य एवं केंद्र सरकारों का है। क्या वे साबित करेंगी कि अनुबंधों में शामिल शर्तों का कुछ अर्थ होता है? अथवा, ऐसी शर्तों को ठेंगे पर रखने की प्रवृत्ति बढ़ाने में वे सहायक बनेंगी?

केरल के विझिंजम इंटरनेशनल पोर्ट को लेकर उठा विवाद इस बात की मिसाल है कि भारत में एकाधिकारी पूंजीपति अब किस हद तक राजसत्ता को अपनी मुट्ठी में मानने लगे हैं। घटनाक्रम अपने-आप में सारी कहानी बता देता है। विझिंजम अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह का निर्माण अडानी समूह ने किया। कुछ रोज पहले खबर आई कि इस ग्रुप ने इस बंदरगाह में अपनी 49 प्रतिशत हिस्सेदारी (लगभग 12,000 करोड़ रुपये में) स्विट्जरलैंड की मेडिटेरिनियन शिपिंग कंपनी को बेच दी है। इस पर केरल के मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशन ने अचरज जताया।

कहा कि अडानी समूह ने राज्य सरकार को बिना सूचित किए इस बड़े सौदे की सार्वजनिक घोषणा कर दी है। जबकि अडानी समूह को परियोजना का निर्माण कार्य इस शर्त पर सौंपा गया था कि 25 प्रतिशत या उससे अधिक हिस्सेदारी बेचने के लिए उसे राज्य सरकार की पूर्व अनुमति लेनी होगी। गौरतलब है कि बंदरगाह का स्वामित्व सरकार के पास है। केरल के पूर्व मुख्यमंत्री पिनराई विजयन (जिनके कार्यकाल में बंदरगाह बना) ने भी पुष्टि की है कि अनुबंध में उपरोक्त शर्त शामिल है। केरल सरकार का कहना है कि विझिंजम एक रणनीतिक बंदरगाह है। एक ही विदेशी शिपिंग कंपनी को इतनी बड़ी हिस्सेदारी देने से प्रतिस्पर्धा खत्म होने का खतरा है। इससे सुरक्षा संबंधी पहलू भी जुड़े हैं। अत: इतनी बड़ी हिस्सेदारी बेचने से पहले केंद्रीय गृह मंत्रालय एवं जहाजरानी मंत्रालय से सुरक्षा मंजूरी लेना भी आवश्यक है।

इस मुद्दे पर विवाद बढ़ने के बाद बंदरगाह निर्माता कंपनी- अडानी पोर्ट्स ने दावा किया कि अनुबंध से संबंधित किसी नियम का उल्लंघन नहीं हुआ है। हिस्सेदारी ट्रांसफर की प्रक्रिया को अंतिम मंजूरी के लिए अब सरकार के पास भेजा गया है। मगर इससे यह साफ हो जाता है कि अडानी ग्रुप आश्वस्त है कि सरकार की मंजूरी उसे मिलनी ही है! यह प्रक्रिया महज रस्म-अदायगी है, जिसे पहले नहीं, तो बाद में पूरा किया जाएगा! बहरहाल, अब इम्तहान राज्य एवं केंद्र सरकारों का है। क्या वे साबित करेंगी कि अनुबंधों में शामिल होने वाली शर्तों का कुछ अर्थ होता है? अथवा, ऐसी शर्तों को ठेंगे पर रखने की प्रवृत्ति बढ़ाने में वे सहायक बनेंगी?

'जी राम जी' के नाम पर यह कैसी ठगाई!

हरिशंकर व्यास

हिसाब से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मनरेगा योजना खत्म करनी थी। प्रधानमंत्री बनने के बाद 2015 में उन्होंने कहा था यह योजना कांग्रेस की विफलताओं का जीता-जागता स्मारक है। आजादी के 60 साल बाद भी कांग्रेस गरीबों को गड्ढे खोदने का काम दे रही थी और यह उनकी विफलता को दर्शाता है। पर उसके बाद क्या हुआ? मोदी सरकार ने बिना काम के लोगों को सब्सिडी, पैसा बांटना शुरू किया। कोई सौ करोड़ लोगों को सीधे लाभार्थी बनाया, नोट के बदले वोट की राजनीति पकाई। और इस एक जुलाई को पुरानी मनरेगा योजना का नया नाम 'वीबी जी रामजी' (विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन ग्रामीण या वीबी जी रामजी) दे कर लागू किया है।

इसमें कहने के लिए कांग्रेस से आगे बढ़ कर एक सौ की बजाय 125 दिन के रोजगार की कानूनी गारंटी दी गई है। लेकिन खर्च का चालीस प्रतिशत हिस्सा राज्य सरकारों के मत्थे मढ़ दिया है। राज्य सरकारें पहले से ही वित्तीय संकट में है। केंद्र सरकार खुद बुरी दशा में है और वह राज्यों को उनके हक का पैसा देने में भी कंजूसी, टालमटोल का रवैया अपनाए हुए है। मार्च 2026 तक राज्यों को केंद्र की कोई 17 हजार करोड़ रुपए की देनदारी थी, जिसमें 78 सौ करोड़ रुपए मनरेगा मजूदरी के थे। अब एक जुलाई से केंद्र सरकार ने मनरेगा का नाम बदल कर जी राम जी कर गांव-देहात के राम, राम सा बोलने वाले लोगों में नई ब्रांडिंग शुरू की है। पर असल में उसके पीछे होगा क्या? हाल में मुझे देहात में नई रियलिटी मिली। खेतीहर घर के एक माली का बताना था किसान सब्सिडी के दो हजार रुपए तो आ गए हैं लेकिन मुख्यमंत्री ऐसा निकम्मा है जो उसके साथ राज्य से आने वाले हजार रुपए अभी तक नहीं भेजे। फिर अपनी जीविका का ब्योरा देते हुए बताया बुढ़िया (मां) गांव ही रहती है, मनरेगा में रजिस्टर्ड है, तीन सौ रुपए के हिसाब से दस-पंद्रह दिन का काम हर महीने आ जाता है। पर अब बता रहे है नई 'जी राम जी' नाम से नया कुछ हो रहा है। पता नहीं आगे क्या हो।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दी पेंशनरों को सौगात

डॉ. चन्दर सोनाने

आखिरकार मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 25 साल से चली आ रही पेंशनरों की मांग को मान लिया और उन्होंने पेंशनरों को देय महंगाई राहत में वृद्धि के संबंध में छत्तीसगढ़ राज्य से सहमति लेने की प्रचलित परंपरा को खत्म कर दिया। अब मध्यप्रदेश के और छत्तीसगढ़ राज्य के पेंशनरों को राज्य शासन द्वारा बढ़ाई गई महंगाई राहत तुरंत मिल सकेगी। इस निर्णय में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की भी अहम भूमिका है।

मध्यप्रदेश के वित्त विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री मनीष रस्तोगी और छत्तीसगढ़ राज्य के वित्त विभाग के सचिव डॉ. रोहित यादव द्वारा संयुक्त रूप से जारी आदेश में कहा गया है कि मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ राज्य के पेंशनरों को देय महंगाई राहत में वृद्धि के संबंध में वर्तमान में प्रचलित पारस्परिक सहमति की प्रक्रिया है। उक्त प्रक्रिया पर मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ शासन द्वारा पुनर्विचार किया गया तथा प्रशासनिक सुगमता एवं पेंशनरों के हित को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित निर्णय लिए हैं- (क) महंगाई राहत घोषित करने हेतु दूसरे राज्य की सहमति प्राप्त करने की अनिवार्यता को समाप्त किया जाए। (ख) पेशनरों को देय पेंशन राहत में वृद्धि हेतु विधायी संशोधन के स्थान पर दोनों राज्यों द्वारा सीधे कार्यकारी आदेश जारी करेंगे। (ग) राज्यों के आदेश से वृद्धि के फलस्वरूप पड़ने वाले वित्तीय भार के संबंध में मध्यप्रदेश/छत्तीसगढ़ शासन को सूचना हेतु पत्र प्रेषित किया जायेगा। (घ) कोई भी राज्य केन्द्र सरकार द्वारा घोषित मंहगाई राहत की दरों से अणिक दर घोषित नहीं करेगा। उक्त आदेश जारी होने की दिनांक से प्रभावशील रहेगा। मध्यप्रदेश शासन के वित्त विभाग द्वारा उक्त आदेश 17 जुलाई 2026 को जारी किया गया। इस आदेश के दूरगामी परिणाम होंगे। पहले दोनों राज्य सरकार जब भी अपने कर्मचारियों के लिए महंगााई भत्ता घोषित करती थी तो आदेश के दिनांक से कर्मचारियों को मंहगाई भत्ते का लाभ मिल जाया करता था। किन्तु पेंशनरों की महंगाई राहत की दरों में वृद्धि के लिए मध्यप्रदेश सरकार छत्तीसगढ़ सरकार से सहमति मांगती थी। इसमें कई महीनों का समय लग जाता था। और जब भी छत्तीसगढ़ सरकार से सहमति प्राप्त होती थी, उस दिनांक से मध्यप्रदेश सरकार मंहगाई राहत का आदेश जारी करती थी। इसमें होता यह था कि जब भी कर्मचारियों को महंगाई भत्ता मिलता था तो उसके कई महीनों बाद पेशनरों को महंगाई राहत मिल पाती थी। इससे पेंशनरों का काफी आर्थिक नुकसान होता था। यह नाइंसाफी पिछले कई सालों से चल रही थी।उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ दोनों राज्य सरकारों ने मध्यप्रदेश पुनर्गठन अधिनियम 2000 की धारा 49(6) को समाप्त या विलोपित नहीं किया है।

कोई भी राज्य सरकार केन्द्र सरकार द्वारा बनाए गए अधिनियम को समाप्त या विलोपित नहीं कर सकती। यह अधिकार केन्द्र सरकार को ही है। इसलिए दोनों राज्य सरकारों ने बीच का रास्ता निकाला और उक्त आदेश के (ख) के द्वारा पेंशनरों को देय महंगाई राहत में वृद्धि हेतु विधायी संशोधन के स्थान पर दोनों राज्यों द्वारा सीधे कार्यकारी आदेश जारी किए गए।मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्रियों की सदाशयता से दोनों राज्यों के लाखों पेंशनरों को बड़ी राहत मिली है। इससे पेंशनरों की और पेंशनर संगठनों की 25 साल से चली आ रही मांग को दोनों राज्य सरकारों ने मानकर पेंशनरों को महंगाई राहत देने का आखिरकार रास्ता निकाल ही लिया। यदि दोनों राज्य सरकारें पेंशनरों के हित में मध्यप्रदेश पुनर्गठन 2000 की धारा 49 (6) को समाप्त करने संबंधी प्रस्ताव पारित कर केन्द्र सरकार को भेजती तो इसमें कितना समय लगता ? इसकी कोई ग्यारंटी नहीं थी। इसलिए बहुत सोच समझकर दोनों राज्य सरकारों ने बीच का रास्ता निकालकर पेंशनरों के लिए सराहनीय कार्य किया है। इसके लिए दोनों राज्य सरकारों और मुख्यमंत्रियों को साधुवाद!

ब्रिक्स देशों में पोषण संवर्धन के लिए खाद्य भंडार

डॉ. स्वाति नायक

जलवायु से जुड़ी चुनौतियों और आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान अक्सर वैश्विक खाद्य अर्थव्यवस्था को प्रभावित करते हैं, जिससे ब्रिक्स समूह को नई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। खाद्य भंडारों, जिन्हें अक्सर आपातकालीन स्टॉक के रूप में देखा जाता है, को अब पोषण सुदृढ़ता, स्थिरता और तेज़ी से बदलती बाजार और सामाजिक प्रणालियों के हिसाब से नए सिरे से व्यवस्थित करने की ज़रूरत है।

हालांकि वैश्विक खाद्य सुरक्षा के लिए रणनीतिक भंडार बनाए रखना महत्वपूर्ण है, लेकिन अभी सवाल यह है कि जलवायु और व्यापार की अनिश्चितताओं के साथ-साथ भूख और कुपोषण की लगातार मौजूद समस्याओं के जवाब में किस तरह के भंडार निर्मित किये जाने चाहिए। विश्व बैंक-एफएओ-डब्ल्यूएफपी रिपोर्ट (2025) - खाद्य सुरक्षा बढ़ाने के लिए रणनीतिक अनाज भंडार को मजबूत करना - में बताया गया है कि 2024 में 74 देशों में 343 मिलियन लोग गंभीर खाद्य असुरक्षा का सामना कर रहे थे। यह संख्या कोविड-19 महामारी से पहले के सालों में खाद्य असुरक्षा का सामना करने वाले लोगों की संख्या से लगभग दोगुनी है। बहु-स्तरीय आर्थिक उथल-पुथल से व्यापार में व्यवधान हुए हैं और भूख में वृद्धि हुई है, इन सभी ने खाद्य सुरक्षा के लिए नए चुनौतियां खड़ी कर दी हैं।

2026 में हालात और भी खराब हो गए। विश्व बैंक के अनुसार, पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य के जरिए तेल और उर्वरक का परिवहन प्रभावित हुआ है, जो वैश्विक कृषि-खाद्य मूल्य श्रृंखलाओं की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। फरवरी से मार्च 2026 के बीच उर्वरकों की कीमतों में तेज बढ़ोतरी हुई, जिसमें यूरिया की कीमत एक ही महीने में लगभग 46 प्रतिशत बढ़ गई। विश्व खाद्य कार्यक्रम के पूर्वानुमानों के अनुसार, लगातार व्यवधान के कारण 45 मिलियन तक लोग भुखमरी की स्थिति में पहुंच सकते हैं।

यह ब्रिक्स देशों के लिए एक बड़ी चुनौती है, क्योंकि इनमें से अधिकांश देश प्रमुख कृषि उत्पादक/आयातक और उर्वरक के उपभोक्ता दोनों हैं।

हालाँकि, खाद्य भंडारों के बारे में पारंपरिक सोच अब पुरानी पड़ती जा रही है। पारंपरिक रूप से, खाद्य भंडार बनाने का उद्देश्य मुख्य रूप से कीमतों को स्थिर रखना या अस्थायी कमी से निपटना था। दूसरी ओर, आधुनिक समस्या अधिक जटिल है और इसके लिए ऐसे उपायों की जरूरत है जो न सिर्फ पर्याप्त कैलोरी की गारंटी दें, बल्कि खाद्य के पोषण संतुलित होने, किफायती होने और व्यवधानों के बीच लगातार उपलब्ध होने की भी गारंटी दें। यूरोपीय आयोग की संश्लेषण रिपोर्ट - विकासशील देशों में खाद्य और पोषण सुरक्षा बढ़ाने के लिए खाद्य भंडार का उपयोग - के अनुसार, खाद्य और पोषण सुरक्षा; अनाज की भौतिक उपलब्धता से कहीं अधिक है।

ब्रिक्स देशों के संदर्भ में यह परिवर्तन और भी महत्वपूर्ण बन गया है, जहाँ भरपूर खाद्य संसाधन होने के बावजूद भी खाद्य संकट बरकरार है। उदाहरण के तौर पर, भारत ने 2024 से 2025 की अवधि में रिकॉर्ड 353.96 मिलियन टन अनाज का उत्पादन किया है, साथ ही दुनिया के सबसे बड़े खाद्य नेटवर्क में से एक को बनाए रखा है। भारत सरकार के पत्र सूचना कार्यालय द्वारा फसल से घर तक: अनाज भंडारण के लिए सुदृढ़ अवसंरचना का निर्माण विषय पर 2025 में जारी एक पृष्ठभूमि विज्ञप्ति में इस तथ्य का उल्लेख किया गया था।

भारत में उभरती हुई भंडार प्रणालियाँ यह दिखाती हैं कि भंडार केवल जमा किए गए अनाज से कहीं ज़्यादा सक्रिय पोषण प्रबंधन की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। वैज्ञानिक भंडारण, डिजिटलीकरण, विकेंद्रीकरण और सार्वजनिक वितरण प्रणाली से जुड़ाव की प्रक्रिया प्रमुख अनाज - चावल और गेहूं - के साथ-साथ दालों, मोटे अनाजों और पोषण वर्धित खाद्य पदार्थों की जैविक पोषण वर्धित किस्मों को शामिल करके भंडार में विविधता लाने का मौका देती है। यह और भी जरूरी हो जाता है, क्योंकि भारत दुनिया के पोषण परिदृश्य में फसल विविधीकरण को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रहा है।

इसी तरह, चीन भी अपने भंडारों को लेकर अपनी रणनीति को फिर से व्यवस्थित करने की कोशिश कर रहा है, एक ऐसे दृष्टिकोण के तहत, जो उसके खाद्य प्रणाली में सुदृढ़ता को ध्यान में रखता है। चावल, गेहूँ और मक्का का भारी स्टॉक जमा करने के साथ-साथ, बीजिंग अब स्मार्ट भंडारण, एआई-समर्थित खाद्य निगरानी, कोल्ड चेन लॉजिस्टिक्स और देसी बीजों पर ज़्यादा ध्यान दे रहा है। अब खाद्य आपूर्ति श्रृंखला में पोषण के माध्यम से सुरक्षा सुनिश्चित करने पर अधिक ध्यान है, ताकि फसल कटाई के बाद होने वाले नुकसान को कम किया जा सके और विविध आहार प्राप्त किए जा सकें।

रूस ने जो रास्ता अपनाया है, वह भंडार नीति के एक और पहलू का उदाहरण पेश करती है। यह भू-राजनीतिक सुदृढ़ता है। रूस ने खाद्य सुरक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा के बीच स्पष्ट संबंध बनाए हैं, अपने भंडार बढ़ाए हैं, कृषि क्षेत्र के लिए घरेलू उत्पादन पर ध्यान दिया है तथा पश्चिम एशिया और अफ्रीका में अनाज निर्यात और उर्वरकों का भू-राजनीतिक उपकरण के रूप में उपयोग किया है। एक ऐसी दुनिया में जहाँ प्रतिबंध, अलग-अलग व्यापारिक संबंध और निर्यात नियंत्रण आम होते जा रहे हैं, यह एक महत्वपूर्ण बात है।

एक और उदाहरण मौजूद है जो अपने आप में बहुत अहम है - दक्षिण अफ्रीका। संपूर्ण खाद्य उपलब्धता पर ध्यान केंद्रित करने की बजाय, दक्षिण अफ्रीका की समस्याओं को अनाज की किफायती कीमत और पोषण तक पहुँच की कमी के रूप में देखा जा सकता है। इस मामले में, सरकार का ध्यान पोषण-संवेदनशील सामाजिक सुरक्षा, स्कूलों में खाना खिलाने की योजनाओं, सरकारी खरीद और सामुदायिक खाद्य प्रणालियों मौसम के असर से सुरक्षित बनाने पर जाता है। ऐसी स्थिति में, भंडार अधिकतर व्यापक अर्थव्यवस्था में स्थिरता लाने के साधन के बजाय पोषण कार्यक्रमों को लागू करने का एक उपकरण बन जाते हैं।इसके अलावा, विश्व बैंक-एफएओ-डब्ल्यूएफपी रिपोर्ट इस बात पर जोर देती है कि रणनीतिक भंडार तब सबसे प्रभावी होते हैं, जब वे "छोटे, सरल और स्मार्ट" होते हैं और बाज़ार प्रबंधन के बजाय अधिकतर आपातकालीन प्रतिक्रिया पर केंद्रित होते हैं। इसी तरह, यूरोपीय आयोग की रिपोर्ट बताती है कि भंडार का स्तर तो मायने रखता ही है, लेकिन असल में शासन ही यह तय करती है कि भंडार खाद्य सुरक्षा नीति के लक्ष्यों में मदद करेंगे या उन्हें नुकसान पहुँचाएँगे। यह महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसका प्रभाव 'ब्रिक्स देश अपनी खाद्य सुरक्षा स्थिति में सुधार करने के लिए कैसे सहयोग कर सकते हैं' पर पड़ता है। कई देशों के साझा भंडार निर्मित करने के बजाय, जिन्हें बनाना राजनीतिक रूप से मुश्किल और लॉजिस्टिक्स के लिहाज़ से असंभव है, ब्रिक्स के लिए एक ऐसी अंतरराष्ट्रीय तालमेल प्रणाली का निर्माण बेहतर हो सकता है, जो डेटा आदान-प्रदान, समन्वित इलेक्ट्रॉनिक निगरानी, शुरुआती चेतावनी प्रणाली, सरकारी खरीद मानक नियम और भंडारण अवसंरचना को बेहतर बनाने पर केंद्रित हो।

यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि भंडार के भविष्य को पोषण संबंधी विविधता से जोड़ा जाना चाहिए। मुख्य रूप से चावल और गेहूं पर आधारित भंडार छिपी हुई भूख और सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी के बढ़ते ख़तरे का सामना नहीं कर पाएँगे। स्वस्थ/पोषक तत्वों से भरपूर चावल और गेहूं, जैसे जैविक पोषण वर्धित चावल/गेहूं, दालें, मोटे अनाज और पोषण वर्धित अनाज जैसी चीज़ों का एक विविध मिश्रण सुनिश्चित करने की ज़रूरत है। इससे ब्रिक्स देशों के लिए अपने खाद्य सुरक्षा कार्यक्रमों को सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों से जोड़ना संभव होगा।भंडारों की योजना बनाते समय जलवायु के हिसाब से सुदृढ़ता सुनिश्चित करना भी ज़रूरी है। बाढ़, सूखा, चक्रवात और लू जैसी घटनाओं के बार-बार होने के कारण, यह सुनिश्चित करना ज़रूरी हो गया है कि इन आपदाओं का असर उत्पादन और भंडारण, दोनों प्रक्रियाओं पर एक साथ न पड़े। इस संदर्भ में, आधुनिक भंडारों के लिए सिर्फ पारंपरिक भंडारों में निवेश करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि कोल्ड चेन, अलग-अलग जगहों पर बनी भंडारण सुविधाओं, आई-ओ-टी सक्षम निगरानी प्रणालियों और नमी नियंत्रण प्रणालियों में भी निवेश करना जरूरी हो गया है।दुनिया की खाद्य भंडारण नीति को बदलने में मदद करने के लिए ब्रिक्स देश सबसे अच्छी स्थिति में हैं। सामूहिक रूप से, वे दुनिया के अनाज उत्पादन, उर्वरक उपयोग, कृषि व्यापार और जोखिम में रहने वाले समुदायों के मामले में में प्रमुख भूमिका निभाते हैं। सही योजना के साथ, उनकी भंडारण सुविधाओं को केवल आपातकालीन व्यवस्था के स्थान पर सुरक्षित पोषण, मौसम में बदलाव का सामना करने और भू-राजनीतिक स्थिरता सुनिश्चित करने वाली प्रणाली में बदला जा सकता है। भविष्य के खाद्य भंडार की सफलता केवल उनके भंडारण सुविधा में रखे अनाज की मात्रा पर निर्भर नहीं करेगी। इसके बजाय, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि वे संकट के समय समाज को स्थिर रखने में कितनी मदद कर सकते हैं, गरीब लोगों के लिए अच्छे पोषण के परिणाम कैसे सुनिश्चित कर सकते हैं, क्षेत्रीय खाद्य उत्पादन प्रणाली को कैसे मजबूत कर सकते हैं और कमजोर वैश्विक खाद्य आपूर्ति श्रृंखलाओं पर निर्भरता को किस प्रकार कम कर सकते हैं। इसलिए, ब्रिक्स देशों के लिए खाद्य भंडार का सवाल यह नहीं होना चाहिए कि अधिक भोजन कैसे पैदा करें, बल्कि यह होना चाहिए कि स्मार्ट, पोषण-केंद्रित भंडार कैसे बनाए जाएं।

मेष राशि : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज किसी पुराने मित्र से मुलाकात आपके लिए शुभ समाचार लाएगी। आज प्रबंधन और मार्केटिंग से जुड़े लोगों को आज बड़ा इनाम या सराहना मिल सकती है ,आज व्यापारियों के लिए मुनाफे का योग बन रहा है। आज घर की सुख-सुविधाओं से जुड़ी जरूरतें पूरी करने के लिए आज आप कुछ खास प्रयास करेंगे।

वृष राशि : आज आपका दिन शानदार रहेगा। आज आपके जीवन में नयी खुशियांआयेंगी। आज जो युवा घर से दूर रहकर किसी कॉम्पिटिशन की तैयारी कर रहे हैं, उनका दिन बेहतर गुजरेगा। विद्यार्थी आज कुछ विशेष ऐक्टीविटीज करेंगे आपको शिक्षकों का पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा।

मिथुन राशि : आज आपका दिन शुभफलदायक रहेगा। घर में किसी धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन करवा सकते हैं। आज निवेश से जुड़ी गतिविधियों में भी व्यस्तता रहेगी और सीनियर्स का सपोर्ट मिलेगा ,उनके अनुभव और सलाह आपके लिए उपयोगी साबित होंगे। आज संतान को करियर में बड़ी सफलता मिल सकती है।

कर्क राशि : आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। आज आपको उचित समय की पहचान करनी होगी क्योंकि सही समय पर किया कार्य आपको सफलता दिला सकता है। मित्रों के साथ रिश्ते पहले से आज मजबूत होंगे। आज पारिवारिक वातावरण खुशनुमा रहने से सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी। बच्चों की किसी जरूरत को पूरा करने के लिए आज आपको अधिक पैसे खर्च करने पड़ सकते हैं।

सिंह राशि : आज आपका दिन मिला-जुला अनुभव देने वाला रहेगा। किसी नजदीकी मित्र से मुलाकात आज मन को खुशी देगी और खास विषयों पर विचार-विमर्श भी होगा। आज मोबाईल स्क्रीन टाइम काम करें अन्यथा आपके बहुत से काम अधूरे रह सकते हैं। आज समय सीमा को ध्यान में रखकर काम करने से स्थिति बेहतर होगी और आप खुद पर भी ध्यान दे पायेंगे।

कन्या राशि : आज आपका दिन पहले की अपेक्षा काफी बेहतर रहेगा। आज कार्यक्षेत्र में नई संभावनाओं को तलाश करने की कोशिश करेंगे। किसी काम के लिए कई दिनों से की जा रही मेहनत का परिणाम आज आपको मिल सकता है।

तुला राशि : आज आपका दिन बहुत ही उत्तम रहेगा। आज आपकी विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। आज आपको किसी बड़ी कंपनी से जॉब का बुलावा आ सकता है। आप सबको अपनी बातों से इम्प्रेस करने में सफल रहेंगे। जो लोग राजनीति से जुड़े हैं, उन्हें आज सफलता मिलेगी साथ ही आपको खूब मान-सम्मान भी मिलेगा जिससे कुछ नये लोग आपसे जुड़ने की कोशिश कर सकते हैं।

वृश्चिक राशि : आज आपकी दिनचर्या अनुशासित रहेगी जिससे आपकी समस्त गतिविधियां भी व्यवस्थित होती जाएंगी। उधार दिए हुए पैसों की आज वापसी संभव है। किसी काम की शुरुआत नये सिरे से कर सकते हैं। ऑफिस में सहयोगियों के साथ आपके रिश्ते मजबूत होंगे। बॉस आज आपके कार्यों की प्रशंसा करेंगे।

धनु राशि : आज आपका दिन शानदार रहेगा। आज पुरानी बिजनेस डील आपको अचानक लाभ दिलवा सकती है। आज आपका मन काफी प्रसन्न रहेगा,आपको समाज के कुछ अच्छे लोगों से जुड़ने का मौका मिलेगा। आज आप किसी सरकारी संस्था के काम में अपना सहयोग दे सकते हैं आपको उस काम के लिए सर्टिफिकेट भी मिल सकता है।

मकर राशि : आज का दिन आपके लिए शुभ अवसर प्रदान करने वाला रहेगा। अगर आज आप बड़ी बिजनेस डील करने जा रहे हैं, तो उसमे निश्चित ही सफल होने के योग बन रहे हैं आपको किसी अनुभवी व्यक्ति की मदद जरूर लेनी चाहिए। आज आपको किसी सरकारी काम को पूरा करने में कुछ समय लग सकता है।

कुंभ राशि : आज आपका दिन बहुत ही अच्छा रहने वाला है। आज के दिन आप जो भी काम शुरु करेंगे, उसमें सफल जरूर होंगे। दोस्तों के साथ आज कहीं घूमने जाने का अवसर मिलेगा।

मीन राशि :आज आपको जीवन में कुछ खास मौके मिल सकते हैं। आज आपको किसी ऐसे व्यक्ति से मिलने का मौका मिल सकता है, जो आपके काम की नई शुरुआत में आपकी मदद करेगा। आज आर्थिक स्तर पर आप मजबूत बने रहेंगे। आपकी व्यवसायिक परियोजना पूरी हो सकती है। आज ऑटो पार्ट्स तथा मोबाईल की शॉप चला रहे लोगों को बढ़िया धनलाभ मिलेगा।

आज का मॉनसून, कल का इतिहास नहीं – भविष्य का फैसला है

प्रो. आरके जैन अरिजीत

प्रकृति चेतावनी देने के लिए शब्दों का सहारा नहीं लेती; वह अपने संकेत छोड़ती है—कभी प्यास से फटी धरती पर, कभी पहाड़ों से टूटते मलबे में, तो कभी एक रात की बारिश में ढह गए घरों की खामोशी में। 2026 का मॉनसून भी ऐसा ही एक मौन संदेश था, जिसे अनसुना करना आने वाले कल से आंखें मूंदना होगा। जून में सामान्य से लगभग 40 प्रतिशत से अधिक वर्षा की कमी ने खेतों की उम्मीदें सुखा दीं। एल नीनो के प्रभाव में किसान आसमान निहारते रहे, लेकिन बादल बेरुख़ रहे। फिर जुलाई ने अचानक करवट बदली। मुंबई, वायनाड, रत्नागिरी सहित कई क्षेत्रों में कुछ दिनों की मूसलाधार बारिश ने साबित कर दिया कि अब खतरा बारिश के कम या अधिक होने में नहीं, बल्कि उसके बेकाबू और असंतुलित स्वरूप में है। 2026 का मॉनसून इस सच्चाई की गवाही बन गया कि जलवायु परिवर्तन ने मौसम का मिज़ाज बदल दिया है। यह बदलाव आकस्मिक नहीं, बल्कि विज्ञान की वर्षों पुरानी चेतावनी का साकार रूप है। वैज्ञानिकों के अनुसार, गर्म होती पृथ्वी का वातावरण पहले से अधिक नमी समेट रहा है। अरब सागर और बंगाल की खाड़ी का बढ़ता तापमान इसे ऊर्जा दे रहा है। नतीजा यह है कि बादल अब ठहरकर नहीं, टूटकर बरसते हैं। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, जुलाई के शुरुआती दिनों में मुंबई (सांताक्रुज स्टेशन) में 600-900 मिलीमीटर वर्षा दर्ज हुई, जो जुलाई के पूरे महीने के औसत का बड़ा हिस्सा थी। दूसरी ओर, वायनाड में मौसमी वर्षा सामान्य से कम रही, लेकिन दो दिनों की मूसलाधार बारिश ने टनल निर्माण स्थल पर मिट्टी का पहाड़ ढहा दिया। इस हादसे में कई मजदूरों की जान गई, कुछ लापता रहे। यह महज़ हादसा नहीं, बल्कि बदलते जलवायु दौर की भयावह तस्वीर है, जहाँ कम वर्षा वाला मौसम भी विनाश की इबारत लिख सकता है। 2026 के मॉनसून ने केवल शहरों को नहीं, हमारी विकास-दृष्टि को भी कठघरे में खड़ा कर दिया। कंक्रीट के फैलते जंगलों ने पानी के प्राकृतिक रास्ते निगल लिए। नतीजा था—मुंबई के मानखुर्द में चॉल ढह गई, पालघर में बाढ़ दस से अधिक जिंदगियां बहा ले गई, पेड़ उखड़े, दीवारें गिरीं और शहर दिनों तक थम गए। यह तबाही सिर्फ आसमान से बरसे पानी की नहीं थी; जर्जर ड्रेनेज व्यवस्था, रिक्लेम्ड भूमि पर अनियोजित निर्माण और प्रकृति की कीमत पर खड़ा विकास भी इसके भागीदार थे। जलवायु विशेषज्ञ वर्षों से चेताते रहे हैं कि मध्य भारत में 1950 के बाद अत्यधिक वर्षा की घटनाएं लगभग तीन गुना बढ़ चुकी हैं। 2026 ने उस चेतावनी को आंकड़ों से उठाकर सड़कों, बस्तियों और जिंदगियों पर लिख दिया। अब बारिश मौसम नहीं, कुछ घंटों में पूरे महीने का संतुलन और शहरों की व्यवस्था बहा ले जाती है।2026 के मॉनसून ने एक भ्रम तोड़ दिया—सूखा और बाढ़ अब विरोधी नहीं, बल्कि एक ही जलवायु संकट के दो रूप हैं। एल नीनो ने पहले बारिश रोकी, फिर गर्म वातावरण ने संचित नमी उलीच दी। सूखी धरती पानी सोख न सकी; वही जल मैदानों में बाढ़ और पहाड़ों में भूस्खलन बन गया। बदलता मौसम चेतावनी है कि अब खतरा वर्षा की मात्रा से अधिक उसकी तीव्रता और असंतुलन में है। वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार, वैश्विक तापमान 1.5-2 डिग्री सेल्सियस बढ़ने पर कई क्षेत्रों में आर्द्र गर्मी गंभीर संकट बन सकती है। यानी आने वाले समय में चुनौती केवल सूखे और बाढ़ की नहीं; बारिश के बाद की दमघोंटू उमस जनस्वास्थ्य, श्रम क्षमता और अर्थव्यवस्था पर भारी पड़ेगी। 2026 के मॉनसून ने एक नया शब्द सिखाया है—वैरिएबिलिटी। अब बारिश का आकलन उसकी कुल मात्रा से नहीं, बल्कि उसके समय, अवधि और तीव्रता से होगा। कई दिनों का सूखा और फिर एक-दो दिनों में पूरे महीने जितनी वर्षा—यही नया पैटर्न खेती, पर्यावरण और शहरों की सबसे बड़ी चुनौती बन गया है। किसानों को कम अवधि वाली फसलें, जलवायु-अनुकूल बीज और सटीक मौसम पूर्वानुमान अपनाने होंगे। शहरों को स्पॉन्ज सिटी मॉडल विकसित करना होगा, ताकि वर्षा जल सड़कों पर बहने के बजाय जमीन में समा सके। वहीं, पहाड़ी क्षेत्रों में निर्माण गतिविधियां वैज्ञानिक आकलन और कठोर मानकों से संचालित हों; क्योंकि बदलते मौसम में यही विकास की सबसे विश्वसनीय बुनियाद है।सबसे बड़ी भूल यह होगी कि जलवायु संकट का समाधान केवल राष्ट्रीय योजनाओं में खोजा जाए। 2026 का मॉनसून बताता है कि पिछले दो वर्षों की अच्छी वर्षा से अधिकांश जलाशय भरे होने के बावजूद स्थानीय स्तर पर भारी तबाही हुई। साफ है, बड़े बांध, घोषणाएं और राहत पैकेज तब तक पर्याप्त नहीं होंगे, जब तक हर शहर, गांव और पहाड़ी क्षेत्र अपनी भौगोलिक परिस्थितियों के अनुरूप तैयार न हो। वेटलैंड्स का संरक्षण, वनों की अंधाधुंध कटाई पर रोक, नदियों और प्राकृतिक जलमार्गों का पुनर्जीवन तथा सस्टेनेबल डेवलपमेंट को विकास की आधारशिला बनाना अब विकल्प नहीं, आवश्यकता है। जलवायु परिवर्तन भविष्य की आशंका नहीं, वर्तमान का यथार्थ है—और इसकी सबसे बड़ी कीमत आने वाली पीढ़ियां नहीं, आज का समाज चुका रहा है।हर आपदा केवल नुकसान नहीं छोड़ती, वह हमारी प्राथमिकताओं का भी परीक्षण करती है। 2026 का मॉनसून इसी कसौटी पर हमें परख गया। उसने स्पष्ट कर दिया कि प्रकृति की सीमाओं की अनदेखी कर किया गया विकास टिकाऊ नहीं हो सकता। अब समय राहत और मुआवजे की घोषणाओं से आगे बढ़कर विकास की दिशा बदलने का है। इंफ्रास्ट्रक्चर को जलवायु-अनुकूल, नीतियों को स्थानीय जरूरतों के अनुरूप और विकास को पर्यावरण का प्रतिद्वंद्वी नहीं, उसका सहभागी बनाना होगा। चेतावनी स्पष्ट है, निर्णय हमारे हाथ में है।

K K

राष्ट्रीय समाचार

रविवार 19 जुलाई 2026 ,नर्मदापुरम (होशंगाबाद)

दैनिक क्षितिज किरण 5

आमिर खान को धमकी मिलने की खबर, पुलिस ने शिकायत मिलने से किया इनकार

मुंबई, (आरएनएस)। बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान को फेसबुक पोस्ट के जरिए धमकी मिलने की खबर है। हालांकि, मुंबई पुलिस के मुताबिक, न तो एक्टर और न ही उनकी टीम ने अब तक कोई शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने बताया कि उन्हें

मीडिया रिपोर्ट से आमिर खान को धमकी मिलने के बारे में पता चला और वे आगे की कार्रवाई करने से पहले वायरल पोस्ट की सच्चाई की जांच कर रहे हैं। खबरों के मुताबिक, आमिर को फेसबुक पर एक पोस्ट के जरिए धमकी मिली, जो कथित तौर पर लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़ा था। पोस्ट में लिखा था, मैं आरजू बिश्नोई और टायसन बिश्नोई (लॉरेंस बिश्नोई ग्रुप) हूं। जो लोग हमारे देश में हमारी संस्कृति के खिलाफ काम कर रहे हैं और आमिर खान जैसे लोग जो 'लव जिहाद' के नाम पर इसे बढ़ावा दे रहे हैं, हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे।पोस्ट में आगे लिखा, उन्हें (आमिर खान) बहुत जल्द जवाब दिया जाएगा। यह हमारे सनातन धर्म और हमारे देश के खिलाफ है, जो लोग स्टारडम के नाम पर ऐसी चीजों को बढ़ावा दे रहे हैं। हम उन्हें बख्शेंगे नहीं। मुंबई पुलिस ने कहा है कि अब तक न तो आमिर खान और न ही उनकी टीम ने कोई शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस को इस कथित धमकी के बारे में मीडिया रिपोर्टों से पता चला, जिनमें दावा किया गया था कि यह धमकी फेसबुक के जरिए दी गई थी। वे अभी इस जानकारी की पुष्टि कर रहे हैं।

अमताला में अभिषेक बनर्जी के पार्टी कार्यालय पर चला बुलडोजर, अवैध निर्माण का आरोप

कोलकाता, (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के अमताला में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद अभिषेक बनर्जी के पार्टी कार्यालय पर जिला प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए ध्वस्तीकरण अभियान शुरू किया। प्रशासन का कहना है कि भवन का निर्माण स्वीकृत नक्शे के बिना और निर्धारित भवन नियमों का उल्लंघन कर किया गया था।शनिवार को प्रशासन ने पुलिस, केंद्रीय सुरक्षा बल, अग्निशमन विभाग और आपातकालीन सेवाओं की मौजूदगी में बुलडोजर और खुदाई मशीनों की मदद से कार्रवाई शुरू की। पूरे क्षेत्र में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए ताकि कानून-व्यवस्था बनी रहे।प्रशासन के अनुसार, पार्टी कार्यालय के निर्माण को लेकर भवन नियमों के उल्लंघन की शिकायतें मिली थीं। इसके बाद संबंधित पक्ष को 15 जुलाई को नोटिस जारी कर सुनवाई के लिए बुलाया गया था। वैधानिक प्रक्रिया के तहत कार्रवाई आगे बढ़ाई गई और इसके बाद ध्वस्तीकरण शुरू किया गया। कार्रवाई के दौरान मौके पर मौजूद भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रशासन की कार्रवाई का स्वागत करते हुए नारेबाजी की। अमताला से भाजपा विधायक अग्निश्वर नस्कर ने आरोप लगाया कि पार्टी कार्यालय का निर्माण नियमों की अनदेखी कर किया गया था और प्रशासन ने कानून के अनुरूप कदम उठाया है।

महाराष्ट्र की सियासत में नए समीकरणों की चर्चा, एनसीपी के विलय के बाद ही एनडीए में एंट्री के संकेत

मुंबई, (आरएनएस)। महाराष्ट्र की राजनीति में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के दोनों गुटों के संभावित एकीकरण को लेकर चर्चाएं तेज हैं। राजनीतिक सूत्रों के अनुसार, यदि शरद पवार के नेतृत्व वाला गुट राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) का हिस्सा बनना चाहता है, तो पहले एनसीपी के दोनों धड़ों का विलय होना आवश्यक माना जा रहा है। हालांकि, शरद पवार गुट के नेताओं ने एनडीए में शामिल होने की अटकलों से इनकार किया है। भाजपा सूत्रों के मुताबिक, पार्टी का मानना है कि शरद पवार और अजित पवार के नेतृत्व वाले गुट पहले आपसी मतभेद समाप्त कर एक राजनीतिक दल के रूप में सामने आएं। इसके बाद ही एनडीए में संभावित साझेदारी पर विचार किया जा सकता है। भाजपा फिलहाल किसी एक गुट को अलग से गठबंधन में शामिल करने के पक्ष में नहीं है। जुलाई 2023 में अजित पवार अपने समर्थक विधायकों के साथ अलग होकर भाजपा-शिवसेना गठबंधन सरकार में शामिल हो गए थे। इसके बाद चुनाव आयोग ने अजित पवार गुट को मूल एनसीपी का नाम और चुनाव चिह्न आवंटित किया, जबकि शरद पवार का गुट एनसीपी (शरदचंद्र पवार) के नाम से सक्रिय है।

महाराष्ट्रः शादी का झांसा देकर करोड़ों की ठगी, विधवा और तलाकशुदा महिलाओं को निशाना बनाने वाला गिरफ्तार

डोंबिवली, (आरएनएस)। महाराष्ट्र के डोंबिवली में विष्णुनगर पुलिस ने शादी का झांसा देकर महिलाओं से करोड़ों रुपए की ठगी करने वाले एक शातिर ठग को उत्तर प्रदेश के सीतापुर से गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान 48 वर्षीय अनुज संतोष तिवारी उर्फ अनुज कुमार त्रिवेदी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, वह वैवाहिक वेबसाइटों और अखबारों में प्रकाशित विवाह संबंधी विज्ञापनों के जरिए अकेली, विधवा और तलाकशुदा महिलाओं को अपने जाल में फंसाता था। अब पुलिस इस बड़े ठगी गिरोह के संबंधों की जांच कर रही है।पुलिस ने बताया कि आरोपी शादी से जुड़ी वेबसाइटों और अखबारों में प्रकाशित विज्ञापनों के माध्यम से महिलाओं से संपर्क करता था। वह खास तौर पर उन महिलाओं को निशाना बनाता था, जो अकेली रहती थीं, विधवा थीं या जिनके बच्चे विदेश में रहते थे। एक 73 वर्षीय महिला से दोस्ती करने के बाद उसने पहले उनके घर से जेवरात चुरा लिए। इसके बाद उनके नाम पर मोबाइल सिम जारी कराया और पुणे की एक आलीशान आवासीय सोसायटी में घर दिलाने का झांसा देकर उनका मकान बिकवा दिया। इस तरह उसने महिला से करीब 57 लाख रुपये ठग लिए।जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी अपनी पहचान छिपाने के लिए दूसरी महिलाओं के नाम पर जारी सिम कार्ड का इस्तेमाल करता था। उसने कई महिलाओं को शादी का सपना दिखाकर उनसे कैश और जेवरात ठग लिए। इतना ही नहीं, कुछ महिलाओं के नाम पर कर्ज भी दिलवाया। एक मामले में उसके खिलाफ महिला के यौन शोषण का आरोप भी सामने आया है।करीब एक साल तक तलाश करने के बाद विष्णुनगर पुलिस ने आरोपी को उत्तर प्रदेश के सीतापुर से गिरफ्तार कर लिया। अदालत ने उसे पुलिस हिरासत में भेज दिया है।

15 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट, दिल्ली-एनसीआर में तेज हवाएं और गरज-चमक की चेतावनी

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने देश के कई हिस्सों में मानसून की सक्रियता बढ़ने के बीच 15 राज्यों के लिए भारी बारिश, तेज हवाओं और आंधी-तूफान का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, कई क्षेत्रों में बिजली गिरने, जलभराव और तेज हवाओं के कारण जनजीवन प्रभावित हो सकता है। लोगों से खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने और अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील की गई है।

=यूपी-बिहार समेत कई राज्यों में तेज हवाओं की आशंका=

आईएमडी के मुताबिक, उत्तर प्रदेश, बिहार सहित कई राज्यों में 70 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। इसके साथ गरज-चमक और भारी वर्षा की संभावना भी जताई गई है। मौसम विभाग ने चेताया है कि तेज हवाओं से पेड़, बिजली के खंभे और फसलों को नुकसान पहुंच सकता है, जबकि बिजली गिरने का खतरा भी बना रहेगा।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में मौसम लगातार बदल रहा है। आईएमडी ने 18 जुलाई के लिए बारिश, आकाशीय बिजली और 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का येलो अलर्ट जारी किया है। दिन में गर्मी और उमस बनी रहेगी, लेकिन दोपहर बाद हल्की बारिश और गरज-चमक से मौसम में बदलाव आने की संभावना है।

वहीं 19 जुलाई को भी गर्मी और उमस के साथ छिटपुट बारिश की संभावना को देखते हुए येलो अलर्ट जारी किया गया है। हालांकि 20 से 23 जुलाई के बीच दिल्ली-एनसीआर के लिए किसी विशेष चेतावनी की घोषणा नहीं की गई है और तापमान सामान्य से नीचे रहने का अनुमान है।

=पहाड़ी राज्यों में भारी बारिश का खतरा=

हिमाचल प्रदेश में दक्षिण-पश्चिम मानसून और नए पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से 19 से 23 जुलाई के बीच कई जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना है। मौसम विभाग ने इस अवधि के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं मंडी, कांगड़ा, कुल्लू, शिमला और सिरमौर जिलों में फिलहाल येलो अलर्ट लागू किया गया है।

जम्मू-कश्मीर में फ्लैश फ्लड और भूस्खलन की आशंका

आईएमडी ने जम्मू-कश्मीर में भी अगले कुछ दिनों के दौरान भारी वर्षा की चेतावनी जारी की है। विभाग के अनुसार, लगातार बारिश के कारण अचानक बाढ़, भूस्खलन और निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति बन सकती है। लोगों को विशेष रूप से शनिवार रात, रविवार सुबह और 20 से 22 जुलाई के दौरान अतिरिक्त सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। मौसम विभाग ने नागरिकों से खराब मौसम के दौरान सुरक्षित स्थानों पर रहने, पेड़ों और बिजली के खंभों से दूर रहने तथा प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की है। साथ ही परिवहन और बिजली आपूर्ति प्रभावित होने की संभावना को देखते हुए आवश्यक तैयारियां रखने की सलाह भी दी गई है।

नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर परीक्षा में कथित गड़बड़ियों को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफ़े की मांग करते हुए एक विरोध प्रदर्शन के दौरान कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने बात की। दिल्ली पुलिस ने शनिवार को क्लाइमेट एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक को अस्पताल में भर्ती कराया; वे पिछले 20 दिनों से जंतर-मंतर पर भूख हड़ताल पर थे और उनकी तबीयत बिगड़ गई थी।

मेडिकल कॉलेज खोलने के नियमों में बड़ा बदलाव, अब किसी भी कंपनी को मिलेगी अनुमति

नई दिल्ली, (आरएनएस)। देश में मेडिकल शिक्षा के क्षेत्र में बड़ा बदलाव करते हुए नेशनल मेडिकल कमीशन (NMC) ने मेडिकल कॉलेज खोलने से जुड़े नियमों में संशोधन किया है। नए प्रावधानों के तहत अब कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत पंजीकृत कोई भी कंपनी मेडिकल कॉलेज स्थापित कर सकेगी। इससे पहले यह अनुमति केवल सेक्शन-8 (गैर-लाभकारी) कंपनियों तक सीमित थी।अब तक केवल गैर-लाभकारी संस्थाओं को ही मेडिकल कॉलेज स्थापित करने की अनुमति थी। सेक्शन-8 कंपनियां अपने लाभ को संस्थान के विकास या सामाजिक कार्यों में ही खर्च कर सकती थीं। लेकिन नए नियम लागू होने के बाद लाभ कमाने वाली कंपनियां भी निर्धारित मानकों का पालन करते हुए मेडिकल कॉलेज शुरू कर सकेंगी। सरकार का मानना है कि गैर-लाभकारी शर्त के कारण कई बड़े कॉर्पोरेट समूह मेडिकल शिक्षा के क्षेत्र में निवेश करने से बच रहे थे। साथ ही, अनौपचारिक रूप से मुनाफा कमाने की शिकायतें भी सामने आती थीं। सरकार का तर्क है कि कानूनी व्यवस्था बनने से निवेश बढ़ेगा, पारदर्शिता आएगी और कर (टैक्स) राजस्व में भी वृद्धि होगी। वर्ष 2017 में तत्कालीन मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया (MCI) ने सभी पंजीकृत कंपनियों को मेडिकल कॉलेज खोलने की अनुमति दी थी। हालांकि, 2019 में MCI की जगह NMC बनने के बाद नियम सख्त कर दिए गए और केवल सेक्शन-8 कंपनियों को ही अनुमति दी गई। अब NMC ने फिर से नियमों में संशोधन कर दायरा बढ़ा दिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि नए नियमों से निजी मेडिकल कॉलेजों की संख्या में वृद्धि हो सकती है, लेकिन छात्रों पर बढ़ती फीस का बोझ भी एक बड़ा मुद्दा बन सकता है।

सामूहिक आत्महत्या या कुछ और?, एक ही घर में मिली 5 लोगों की लाश, इलाके में मचा हड़कंप

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के टिकरापारा थाना क्षेत्र स्थित संजय नगर के मदनी चौक में एक किराये के मकान से एक ही परिवार के पांच सदस्यों के शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे घर को सील कर जांच शुरू कर दी। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

पुलिस की प्रारंभिक जांच के अनुसार, मृतकों में साजिद अली (50) का शव फंदे से लटका मिला, जबकि उनकी पत्नी राबिया, पुत्र इरशाद अली (19), पुत्री शाहिदा (17) और इरशाबा बेगम (16) के शव घर के एक कमरे में मिले। प्रथम दृष्टया आशंका है कि पांचों की मौत किसी विषैले पदार्थ के सेवन से हुई हो सकती है। हालांकि, मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम और फोरेंसिक जांच के बाद ही हो सकेगी।

टिकरापारा थाना प्रभारी राजेश मराई ने बताया कि सभी मृतक एक ही परिवार के थे और पिछले करीब आठ महीने से इस मकान में किराये पर रह रहे थे। घटना के कारणों की जांच की जा रही है और किसी भी संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

घटनास्थल पर फोरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) की टीम साक्ष्य जुटाने में लगी है। पुलिस हत्या, आत्महत्या और अन्य सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, साजिद अली मौदहापारा क्षेत्र में बैटरी रिपेयरिंग का काम करते थे। पड़ोसियों का कहना है कि परिवार आर्थिक तंगी से जूझ रहा था और उन पर कुछ कर्ज भी था। वसूली के लिए रिकवरी एजेंटों का घर पर आना-जाना रहता था। हालांकि, पुलिस ने अभी तक घटना के पीछे किसी एक कारण की पुष्टि नहीं की है और जांच जारी है।

संविधान संशोधन बिल पर डीएमके के बदले सुर, परिसीमन पर आश्वासन मिला तो समर्थन के संकेत

नई दिल्ली/चेन्नई, (आरएनएस)। लोकसभा सीटों के पुनर्निर्धारण (परिसीमन) और वर्ष 2029 से महिला आरक्षण लागू करने से जुड़े प्रस्तावित संविधान संशोधन विधेयक को लेकर केंद्र सरकार को अहम राजनीतिक समर्थन मिलने की संभावना दिखाई दे रही है। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (DMK) ने संकेत दिए हैं कि यदि दक्षिणी राज्यों के हितों की रक्षा की स्पष्ट गारंटी दी जाती है, तो पार्टी इस मुद्दे पर सरकार से बातचीत के लिए तैयार है।

=परिसीमन पर आश्वासन की मांग=

डीएमके के वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि केंद्र सरकार प्रत्येक राज्य की लोकसभा सीटों का हिस्सा पहले से स्पष्ट करे, ताकि तमिलनाडु सहित दक्षिण भारत के राज्यों के प्रतिनिधित्व में किसी प्रकार की कमी न आए। पार्टी का कहना है कि यदि निष्पक्ष व्यवस्था का भरोसा मिलता है तो वह अपने रुख पर पुनर्विचार कर सकती है। हालांकि, डीएमके ने स्पष्ट किया है कि इस विषय पर अभी तक सरकार के साथ कोई औपचारिक बातचीत नहीं हुई है।

=सरकार को मिल सकती है अतिरिक्त ताकत=

डीएमके के बदले रुख से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) की उम्मीदें बढ़ी हैं। इससे पहले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) की सांसद सुप्रिया सुले भी कह चुकी हैं कि यदि सभी राज्यों की लोकसभा सीटों में समान रूप से 50 प्रतिशत वृद्धि की जाती है तो उनकी पार्टी भी विधेयक का विरोध नहीं करेगी। सरकार अब डीएमके, एनसीपी (शरद पवार गुट) के अलावा अन्य विपक्षी दलों और कुछ स्वतंत्र रुख वाले सांसदों का समर्थन जुटाने की कोशिश में है, ताकि संसद में आवश्यक दो-तिहाई बहुमत सुनिश्चित किया जा सके।

बिल में संशोधन की संभावना

सूत्रों के अनुसार, सरकार विधेयक के मसौदे में कुछ बदलाव भी कर सकती है। इसमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के उस आश्वासन को शामिल किए जाने पर विचार हो रहा है, जिसमें सभी राज्यों की लोकसभा सीटों में 50 प्रतिशत वृद्धि की बात कही गई थी। इससे उन दलों और सांसदों का भरोसा जीतने की कोशिश होगी जो अभी इस मुद्दे पर असमंजस में हैं।

राज्यसभा में सरकार की स्थिति मजबूत

सरकारी सूत्रों का कहना है कि संसद के दोनों सदनों में पर्याप्त समर्थन सुनिश्चित होने के बाद ही संविधान संशोधन विधेयक दोबारा पेश किया जाएगा। राज्यसभा में सरकार की स्थिति पहले से अपेक्षाकृत मजबूत मानी जा रही है।

कांग्रेस पर भी साधा निशाना

डीएमके ने इस मुद्दे पर कांग्रेस की भी आलोचना की है। पार्टी नेताओं का कहना है कि अब वह अपने राजनीतिक फैसले स्वतंत्र रूप से लेगी और किसी अन्य दल के रुख का इंतजार नहीं करेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस की रणनीति से विपक्षी गठबंधन को नुकसान हुआ है। यदि यह संविधान संशोधन विधेयक पारित होता है, तो लोकसभा की सीटों के पुनर्निर्धारण का मार्ग प्रशस्त होगा और वर्ष 2029 से महिलाओं को लोकसभा एवं विधानसभा में 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने की प्रक्रिया आगे बढ़ सकेगी।

राम मंदिर निर्माण किसी सरकार या दल की उपलब्धि नहीं, न्यायिक प्रक्रिया का नतीजा : स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती

अयोध्या,(आरएनएस)। ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने अयोध्या दौरे के दौरान राम जन्मभूमि, सनातन धर्म, गौ संरक्षण और अपनी गविष्टि यात्रा को लेकर विस्तार से विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि अयोध्या केवल एक प्राचीन नगर नहीं, बल्कि सनातन धर्म की आधारभूमि है, जहां भगवान श्रीराम ने अवतार लेकर धर्म को व्यावहारिक स्वरूप दिया। पत्रकारों से बातचीत में शंकराचार्य ने कहा कि अयोध्या ने न केवल दुनिया को दिशा दिखाई, बल्कि सनातन धर्म को संरक्षित रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि भगवान राम के रूप में धर्म ने जब अवतार लिया तो अयोध्या को अपनी जन्मभूमि के रूप में चुना। उनके अनुसार, यह वही स्थान है जहां धर्म का साकार स्वरूप प्रकट हुआ और यहीं से उसका विस्तार चारों दिशाओं में हुआ। उन्होंने कहा कि इसी कारण सात मोक्षदायिनी पुरियों में अयोध्या को प्रथम स्थान प्राप्त है। उन्होंने यह भी कहा कि कलियुग के प्रभाव के कारण राम जन्मभूमि एक समय लुप्त हो गई थी।

राम मंदिर निर्माण के संबंध में उन्होंने कहा कि यह किसी सरकार या राजनीतिक दल की उपलब्धि नहीं, बल्कि न्यायिक प्रक्रिया का परिणाम है। उन्होंने कहा कि राम जन्मभूमि विवाद में कानूनी लड़ाई राम लल्ला विराजमान की ओर से लड़ी गई थी और सर्वोच्च न्यायालय का फैसला भी उनके पक्ष में आया। इसलिए मंदिर के मुख्य गर्भगृह और मुख्य आसन पर विराजमान होने का अधिकार भी राम लल्ला विराजमान का ही है।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा, अपनी गविष्टि यात्रा के जरिए हमने लगभग 375 विधानसभा क्षेत्रों में मतदाताओं से संवाद किया है। आज हम इस यात्रा के बारे में चर्चा करने के लिए इस पवित्र भूमि पर आए हैं। गविष्टि का अर्थ गौ माता के जीवन और सम्मान की रक्षा करना है। गौ माता इस दुनिया में केवल मांस या दूध के लिए नहीं आई हैं।

डाक विभाग ने इनोवेट इंडिया माईगॉव प्लेटफॉर्म पर शुभंकर (शुभंकर) डिजाइन प्रतियोगिता का शुभारंभ किया

नई दिल्ली, (आरएनएस)। संचार मंत्रालय के डाक विभाग ने इनोवेट इंडिया माईगॉव प्लेटफॉर्म पर इंडिया पोस्ट शुभंकर डिजाइन प्रतियोगिता शुरू की है, जिसमें देशभर के नागरिकों को इंडिया पोस्ट के आधिकारिक शुभंकर को डिजाइन करने के लिए आमंत्रित किया गया है। इस पहल का उद्देश्य एक ऐसा विशिष्ट ब्रांड एंबेसडर तैयार करना है जो संगठन के मूल मूल्यों जैसे विश्वास, विश्वसनीयता, समावेशिता, सेवा और डिजिटल नवाचार को प्रतिबिंबित करे। यह प्रतियोगिता सभी भारतीय नागरिकों के लिए खुली है। प्रतिभागियों को MyGov प्लेटफॉर्म के माध्यम से एक मौलिक शुभंकर डिज़ाइन, उपयुक्त शुभंकर नाम और एक संक्षिप्त अवधारणा पत्र प्रस्तुत करना होगा। प्रतियोगिता 15 जुलाई से 15 अगस्त 2026 तक खुली रहेगी।

रचनात्मक भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए, विभाग ने तीन सर्वश्रेष्ठ शुभंकर डिज़ाइनों के लिए क्रमशः 75000, 50000 और 25000 रुपये के नकद पुरस्कारों की घोषणा की है। तीन सर्वश्रेष्ठ शुभंकर नामों के लिए भी अलग से 25000, 15000 और 10000 रुपये के नकद पुरस्कार दिए जाएंगे। सभी विजेताओं को प्रमाण पत्र प्राप्त होंगे। शुभंकर डिज़ाइन और शुभंकर नामकरण के पुरस्कार एक दूसरे से स्वतंत्र और अनन्य हैं।

सलमान खान ने किया एसआरए के नए आईटी सेंटर का उद्घाटन, लाभार्थियों को सौंपी घरों की चाबियां

मुंबई,(आरएनएस)। बॉलीवुड एक्टर सलमान खान ने शुक्रवार रात मुंबई स्थित स्लम रिहैबिलिटेशन अथॉरिटी (एसआरए) कार्यालय का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने एसआरए के आधुनिक डेटा कलेक्शन एंड वेरिफिकेशन सपोर्ट सेंटर (आईटी सर्वर रूम) का उद्घाटन किया। यह अत्याधुनिक सुविधा डिजिटल प्रशासन को अधिक प्रभावी, सुरक्षित और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से तैयार की गई है। माना जा रहा है कि इससे एसआरए की ई-गवर्नेंस पहल को नई मजबूती मिलेगी। सलमान खान ने झुग्गी पुनर्वास योजना के लाभार्थियों को उनके स्थायी घरों की चाबियां भी सौंपीं। चाबियां मिलने के बाद लाभार्थियों के चेहरों पर खुशी साफ दिखाई दी। एसआरए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. महेंद्र कल्याणकर की मौजूदगी में सलमान खान ने 50 से अधिक लाभार्थियों को उनके नए घरों की चाबियां प्रदान कीं। इस अवसर पर सलमान खान ने एसआरए कॉफी टेबल बुक का भी विमोचन किया। इस पुस्तक में एसआरए के कामकाज, सफल पुनर्वास की कहानियों, विभिन्न विकास परियोजनाओं और संस्था की प्रमुख उपलब्धियों को विस्तार से प्रस्तुत किया गया है। यह प्रकाशन नागरिकों, हितधारकों और विभिन्न क्षेत्रों के लोगों के लिए एसआरए के कार्यों को समझने का एक महत्वपूर्ण दस्तावेज माना जा रहा है। सलमान खान का यह दौरा महाराष्ट्र सरकार की उस प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है, जिसके तहत झुग्गी पुनर्वास मिशन को आधुनिक तकनीक, पारदर्शी व्यवस्था और जन-केंद्रित प्रशासन के जरिए और मजबूत बनाया जा रहा है।

रूस पर यूक्रेन का बड़ा ड्रोन हमला, मास्को के पास वेयरहाउस पर हमले में 7 की मौत

मास्को (आरएनएस)। यूक्रेन ने शनिवार तड़के रूस के कई इलाकों पर बड़े पैमाने पर ड्रोन हमले किए। रूसी अधिकारियों के अनुसार, मास्को से दक्षिण-पूर्व स्थित तांबोव क्षेत्र के कोटोव्स्क शहर में एक लॉजिस्टिक्स सेंटर पर हुए ड्रोन हमले में 7 कर्मचारियों की मौत हो गई, जबकि 24 से 25 लोग घायल हुए हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, तांबोव के गवर्नर येवगेनी पेर्विशोव ने बताया कि हमला रूस की सबसे बड़ी ऑनलाइन रिटेल कंपनी वाइल्डबेरीज के स्वामित्व वाले वेयरहाउस पर हुआ। उनके मुताबिक, सभी मृतक नाइट शिफ्ट में काम कर रहे थे। गवर्नर ने दावा किया कि रूसी वायु रक्षा प्रणाली ने लक्ष्य तक पहुंचने से पहले 28 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए। उन्होंने कहा कि यदि सभी ड्रोन अपने निशाने तक पहुंच जाते, तो नागरिक हताहतों की संख्या कहीं अधिक हो सकती थी।रिपोर्ट के अनुसार एक अलग घटना में ड्रोन हमले से एक तेल डिपो में आग लग गई। इसकी जानकारी मॉस्को क्षेत्र के गवर्नर आंद्रेई वोरोब्योव ने दी। उन्होंने बताया कि ड्रोन के मलबे के गिरने से नोगिंस्क शहर के एक तेल डिपो में आग लग गई।उन्होंने बताया कि इस घटना में दो लोग घायल हुए हैं। एहतियात के तौर पर पास के एक मैटरनिटी हॉस्पिटल को खाली करा लिया गया। हालांकि, तेल डिपो को हुए नुकसान की विस्तृत जानकारी अभी सामने नहीं आई है। यह डिपो हल्के पेट्रोलियम उत्पादों के भंडारण और वितरण के लिए इस्तेमाल किया जाता है।जानकारी के मुताबिक, इस डिपो में पेट्रोल, डीजल और केरोसीन का भंडारण किया जाता है।

अमेरिका का लगातार 7वीं रात ईरान पर हमला, पुल-बिजली संयंत्र निशाने पर; खोरमाबाद में धमाके

तेहरान(आरएनएस)। अमेरिका ने लगातार 7वीं रात ईरान पर हमले किए हैं। अमेरिका ने दक्षिणी ईरान में पुलों, हवाई अड्डों, बिजली संयंत्रों और एक रेलवे स्टेशन को निशाना बनाया है।रिपोर्ट के मुताबिक, इन हमलों में सीरिक, बुशेहर, बंदर अब्बास, केश्म द्वीप और यन्द को निशाना बनाया गया। वहीं, लोरेस्टान प्रांत के खोरमाबाद शहर में भी धमाकों की खबर है। इसके बाद ईरान ने भी खाड़ी क्षेत्र में अमेरिका के सहयोगियों को निशाना बनाकर जवाबी कार्रवाई की है।सूत्रों ने बताया कि अमेरिका ने शनिवार तड़के जास्क के पास हमला किया। वहीं, एक अन्य हमले में होर्मोजगान प्रांत के बंदर अब्बास-रुदान सड़क पर स्थित 2 पुल बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। एजेंसी ने यह भी दावा किया कि इन हमलों में कई ईरानी नागरिक मारे गए और अन्य घायल हुए। विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने बताया कि हमले में 8 लोग मारे गए। इनमें से 3 बंदर खमीर में एक पुल पर मारे गए।ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) ने दावा किया कि होर्मुज जलडमरूमध्य के दक्षिण में बारूदी सुरंगों वाले क्षेत्र में प्रवेश करने के बाद 2 जहाजों में धमाका हुआ और आग लग गई।आईआरजीसी ने कहा कि ये जहाज अमेरिका की भ्रामक जानकारी के आधार पर होर्मुज से गुजरने की कोशिश कर रहे थे।

पाकिस्तानी सेना पर दो बलूच युवकों को अगवा करने का आरोप, मानवाधिकार संगठन ने सरकार से मांगा जवाब

क्वेटा (आरएनएस)। पाकिस्तान के अशांत प्रांत बलूचिस्तान में दो और नागरिकों के कथित रूप से जबरन गायब किए जाने का मामला सामने आया है। मानवाधिकार संगठन बलूच वॉइस फॉर जस्टिस (बीवीजे) ने आरोप लगाया है कि पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने इन लोगों को हिरासत में लिया, लेकिन उनके ठिकाने की जानकारी नहीं दी गई है।शनिवार को संगठन ने इसका खुलासा किया। उन्होंने बताया कि बलूच छात्र संगठन बलूच स्टूडेंट फ्रंट (बीएसएफ) के केंद्रीय नेता फजल बलूच को शुक्रवार तड़के बलूचिस्तान के हब चौकी क्षेत्र स्थित उनके घर से सुरक्षाकर्मी ले गए। बीवीजे का कहना है कि इसके बाद से उनका कोई पता नहीं चल पाया है।मानवाधिकार संगठन ने पाकिस्तानी अधिकारियों से मांग की, फजल बलूच की स्थिति और ठिकाने की तुरंत जानकारी दी जाए, उन्हें परिवार और वकील से मिलने की अनुमति दी जाए, या यदि हिरासत का कोई कानूनी आधार है तो उन्हें सक्षम नागरिक अदालत के सामने पेश किया जाए।बीवीजे ने एक अन्य छात्र शहाब बलूच मामले का भी जिक्र किया। संगठन का आरोप है कि अजरबैजान में पढ़ाई कर रहे शहाब बलूच को

गर्मी की छुट्टियों में बलूचिस्तान लौटने के बाद पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने कथित रूप से गायब कर दिया।बीवीजे ने कहा कि बलूच छात्रों को निशाना बनाकर जबरन गायब करने की घटनाएं कोई अलग-थलग मामला नहीं हैं, बल्कि शिक्षित बलूच युवाओं के खिलाफ बढ़ते पैटर्न का हिस्सा हैं। बलूच वुमेन फोरम (बीडब्ल्यूएफ) की केंद्रीय आयोजक शाली बलूच ने आरोप लगाया कि एक सप्ताह के भीतर बलूचिस्तान में कई युवाओं को कथित तौर पर जबरन गायब किया गया है। उन्होंने इसे बलूच छात्रों और शिक्षित युवाओं के खिलाफ कार्रवाई तेज होने का संकेत बताया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, बलूच छात्रों और स्नातकों को निशाना बनाया जाना राजनीतिक चेतना को कमजोर करने और असहमति को दबाने की कोशिश है।बलूच कार्यकर्ताओं ने संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों से अपील की है कि वे कथित रूप से गायब सभी युवाओं के ठिकाने का पता लगाने, उनकी सुरक्षित रिहाई सुनिश्चित करने और पाकिस्तान से अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दायित्वों का पालन कराने के लिए कदम उठाएं।

अमेरिका के 7वें हमले के दौर के बाद ईरान का पलटवार, अमेरिकी बेस और ड्रोन डिपो को बनाया निशाना

तेहरान,(आरएनएस)। ईरान और अमेरिका के बीच युद्ध लगातार जारी है. इसी सिलसिले में अमेरिका ने लगातार सातवीं बार ईरान पर निशाना साधा. अमेरिका का इन हमलों के पीछे का उद्देश्य ईरान की सेनाओं की शक्तियों को कम करना है.

वहीं, जवाबी कार्रवाई करते हुए ईरान ने भी अमेरिका पर निशाना साधा. जानकारी के मुताबिक ईरान ने शुक्रवार (स्थानीय समयानुसार) को कहा कि उसने बदले की कार्रवाई करते हुए जॉर्डन, कुवैत और बहरीन में अमेरिकी मिलिट्री ठिकानों को निशाना बनाया है. ये हमले अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) के ईरानी ठिकानों पर लगातार सातवीं रात हमले की घोषणा के कुछ घंटों बाद किए गए. हमलों की पुष्टि ईरान के सरकारी ब्रॉडकास्टर, इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग ने ईरानी सेना और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) का हवाला देते हुए बयानों के जरिए की. ईरानी सेना के बयान के अनुसार, देश की सेना ने ऑपरेशन लाइटनिंग का 14वां चरण पूरा किया, जिसमें कुवैत और जॉर्डन में कई अमेरिकी मिलिट्री ठिकानों पर ड्रोन हमले किए गए. बयान में कहा गया है कि ईरानी ड्रोन ने अल-उदैरी कैंप में एक गोला बारूद डिपो, कुवैत में अली अल-सलेम एयर बेस पर हेडक्वार्टर की इमारतों के साथ-साथ कई कम्युनिकेशन ब्रिज को निशाना बनाया गया. इसमें अल-उदैरी कैंप अमेरिकी सैनिकों के लिए एक अहम लॉजिस्टिक्स और फोर्स-सपोर्ट हब है।

भारत में ट्रंप और अमेरिका पर भरोसा कम हुआ, 51 फीसदी भारतीयों ने पुतिन पर दिखाया सबसे ज्यादा विश्वास : प्यू सर्वे

न्यूयॉर्क,(आरएनएस)। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल की शुरुआत के साथ ही अमेरिका और भारत के समीकरण में बदलाव देखने को मिला। इसकी एक बड़ी वजह ट्रंप की बयानबाजी और उनके फैसलों को माना जा रहा है। एक अंतरराष्ट्रीय सर्वे के अनुसार, पिछले साल से अब तक अमेरिका को भारत में लेकर लोगों की सकारात्मक सोच में तेजी से बदलाव देखने को मिला है।अमेरिका के प्यू रिसर्च सेंटर के इस साल के सर्वे से पता चला कि 45 फीसदी भारतीयों की अमेरिका के बारे में अच्छी राय थी, जो पिछले साल से 54 फीसदी कम है।इस हफ्ते पब्लिश हुई रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीयों में से 31 फीसदी की अमेरिका के बारे में नकारात्मक राय थी। हैरानी की बात नहीं है कि सिर्फ 18 फीसदी भारतीयों ने ट्रंप की टैरिफ नीति को सराहा।बता दें, राष्ट्रपति के टैरिफ नियम पर अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी। कोर्ट के रोक से पहले भारत पर 50 फीसदी तक का असर पड़ा। वैश्विक मामलों में सही फैसले लेने को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर भारतीयों का भरोसा पिछले साल के 52 फीसदी से घटकर इस साल 39 फीसदी रह गया। सर्वे में 36 फीसदी भारतीयों ने कहा कि उन्हें इस साल वैश्विक मुद्दों पर ट्रंप के फैसलों पर भरोसा नहीं है।वहीं, दुनिया के प्रमुख नेताओं में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर भारतीयों ने सबसे अधिक भरोसा जताया। सर्वे के मुताबिक, 51 फीसदी भारतीयों ने पुतिन पर विश्वास व्यक्त किया।

चीन-तुर्की की बढ़ती नजदीकियों पर ईटीजीई को ऐतराज, बोली- दमन को मिल रहा बढ़ावा

वाशिंगटन (आरएनएस)। ईस्ट तुर्किस्तान गवर्नमेंट इन एग्जाइल (ईटीजीई) ने चीन और तुर्की के बीच बढ़ते सहयोग की कड़ी आलोचना करते हुए आरोप लगाया है कि इससे चीन को शिनजियांग (ईस्ट तुर्किस्तान) में अपने दमनकारी अभियान को और तेज करने का हौसला मिल रहा है। यह प्रतिक्रिया 16 जुलाई को बीजिंग में चीन के उप विदेश मंत्री मियाओ देयू और तुर्की की उप विदेश मंत्री बेरीस एकिनजी के बीच हुई राजनीतिक वार्ता के बाद सामने आई।चीनी विदेश मंत्रालय के अनुसार, बैठक में दोनों देशों ने कानून प्रवर्तन और सुरक्षा सहयोग को और मजबूत करने पर चर्चा की। वहीं तुर्की ने 'वन चाइना' नीति के प्रति अपना समर्थन दोहराते हुए कहा कि वह अपनी जमीन का इस्तेमाल चीन की संप्रभुता, सुरक्षा और क्षेत्रीय अखंडता के खिलाफ नहीं होने देगा। ईटीजीई ने इस वार्ता की आलोचना करते हुए कहा कि यह उइगर, कजाख, किर्गिज और अन्य तुर्की समुदायों के साथ दशकों से हो रहे विश्वासघात का नया अध्याय है। संगठन का आरोप है कि शिनजियांग एक "कब्जे वाला क्षेत्र" है और वहां चीन दमनकारी नीतियां लागू कर रहा है।

फीचर

प्राकृतिक और जैविक स्किन केयर उत्पादों का उपयोग करने से मिल सकते हैं ये फायदे

आजकल बाजार में प्राकृतिक और जैविक स्किन केयर उत्पादों की भरमार है। ये उत्पाद न केवल त्वचा की देखभाल करते हैं, बल्कि पर्यावरण के लिए भी अच्छे होते हैं। इनका उपयोग करने से त्वचा को प्राकृतिक पोषण मिलता है और हानिकारक रसायनों से बचाव होता है। इस लेख में हम जानेंगे कि प्राकृतिक और जैविक स्किन केयर उत्पादों का उपयोग कैसे फायदेमंद हो सकता है और इन्हें अपनी दिनचर्या में कैसे शामिल किया जा सकता है।

रसायनों से मुक्त होते हैं

प्राकृतिक और जैविक स्किन केयर उत्पादों में हानिकारक रसायनों की मात्रा बहुत कम होती है या बिलकुल नहीं होती। इससे आपकी त्वचा को नुकसान पहुंचने का खतरा नहीं रहता।

रसायनों वाले उत्पादों से त्वचा पर जलन, खुजली या एलर्जी हो सकती है। इसलिए प्राकृतिक और जैविक उत्पादों का चयन करना बेहतर होता है।ये उत्पाद आपकी त्वचा को प्राकृतिक रूप से पोषण देते हैं और उसे स्वस्थ बनाए रखते हैं, जिससे आपकी त्वचा चमकदार और निखरी हुई दिखती है।

पर्यावरण के लिए अनुकूल

प्राकृतिक और जैविक स्किन केयर उत्पाद पर्यावरण के लिए भी अच्छे होते हैं। इनमें किसी भी प्रकार के हानिकारक रसायन का उपयोग नहीं किया जाता, जिससे पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुंचता।इसके अलावा इन उत्पादों के निर्माण में प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग किया जाता है, जो पर्यावरण की सुरक्षा में मदद करता है।ये उत्पाद आसानी से प्रकृति में घुल जाते हैं और इनके अपशिष्टों को प्रकृति द्वारा आसानी से अवशोषित किया जा सकता है।

त्वचा को प्राकृतिक पोषण

प्राकृतिक और जैविक स्किन केयर उत्पाद आपकी त्वचा को प्राकृतिक पोषण प्रदान करते हैं।

इनमें विटामिन्स, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट्स जैसे गुण होते हैं, जो त्वचा को स्वस्थ रखते हैं। इन उत्पादों का नियमित उपयोग करने से आपकी त्वचा की चमक बढ़ती है और वह निखरी हुई दिखती है।इसके अलावा ये उत्पाद त्वचा की प्राकृतिक नमी को बनाए रखते हैं, जिससे आपकी त्वचा मुलायम और चमकदार दिखती है।

संवेदनशील त्वचा के लिए सुरक्षित

संवेदनशील त्वचा वालों के लिए प्राकृतिक और जैविक स्किन केयर उत्पाद सबसे अच्छा विकल्प होते हैं। इनमें किसी भी प्रकार के हानिकारक रसायन नहीं होते, जिससे संवेदनशील त्वचा पर जलन या खुजली नहीं होती।इन उत्पादों का उपयोग करने से संवेदनशील त्वचा को ठंडक मिलती है और वह स्वस्थ रहती है। प्राकृतिक तत्वों से भरपूर ये उत्पाद त्वचा की प्राकृतिक नमी को बनाए रखते हैं, जिससे आपकी त्वचा मुलायम और चमकदार दिखती है।

लंबे समय तक प्रभावी

प्राकृतिक और जैविक स्किन केयर उत्पाद लंबे समय तक प्रभावी रहते हैं। इनके उपयोग से आपको तुरंत परिणाम मिलते हैं, जो आपकी त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाते हैं।

इन उत्पादों का नियमित उपयोग करने से आपकी त्वचा की सेहत में सुधार होता है और वह निखरी हुई दिखती है।

प्राकृतिक तत्वों से भरपूर ये उत्पाद त्वचा को गहराई से पोषण देते हैं, जिससे आपकी त्वचा मुलायम और चमकदार दिखती है।

खुशाली कुमार ने दुल्हनिया ले आएगी को बताया अपने करियर का खास किरदार, निर्देशक बोले- हटकर अंदाज में होगी दुल्हन

अभिनेत्री खुशाली कुमार अपनी आने वाली फिल्म दुल्हनिया ले आएगी को लेकर काफी चर्चा में है। फिल्म के फर्स्ट लुक से उन्होंने

लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा है। इस कड़ी में उन्होंने अपने लुक और किरदार के बारे में विस्तार से बताया। खुशाली कुमार ने कहा, जैसे ही मैंने इस फिल्म की कहानी सुनी, मुझे लगा कि यह किरदार मेरे लिए ही बना है। मेरा किरदार कोई साधारण दुल्हन नहीं है, बल्कि उसका व्यक्तित्व बहुत मजबूत है। वह अपने फैसले खुद लेती है, अपने दिल की बात खुलकर कहती है और किसी भी बात को छुपाकर नहीं रखती। यह किरदार बहादुर भी है, भावनात्मक भी है और अपने अंदाज में जीने वाली है, और यही बात मुझे इस फिल्म की तरफ खींच लाई। उन्होंने कहा, फिल्म का जो फर्स्ट लुक सामने आया है, वह सिर्फ शुरुआत है और असली कहानी इससे कहीं ज्यादा दिलचस्प है। मेरे किरदार में कई परतें हैं, जिन्हें दर्शक फिल्म के साथ धीरे-धीरे समझ पाएंगे। मुझे उम्मीद है कि दर्शक इस दुल्हन के अलग और अनोखे अंदाज को जरूर पसंद करेंगे। वहीं फिल्म के निर्देशक आकाशदित्य लामा ने भी इस फिल्म को लेकर अपनी सोच साझा की। उन्होंने कहा, दुल्हनिया ले आएगी एक ऐसी कहानी है जो परिवार, रिश्तों और उनके बीच की उलझनों को मजेदार अंदाज में दिखाती है।

दूरी से बढ़ती है प्यार की अहमियत, लेकिन साथ ही बढ़ सकता है शक भीः शहनाज गिल

अपनी मासूमियत और बेबाक अंदाज के लिए मशहूर अभिनेत्री शहनाज गिल इन दिनों अपनी आने वाली पंजाबी फिल्म इश्कनामा को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म की रिलीज से पहले शहनाज ने प्यार और रिश्तों को लेकर अपनी सोच साझा की। उन्होंने कहा कि जब दो लोगों के बीच दूरी आती है, तो कई बार प्यार की अहमियत बढ़ जाती है और सामने वाले की मौजूदगी ज्यादा महसूस होने लगती है, लेकिन दूरी के साथ ही रिश्तों में कुछ सवाल और शक भी पैदा हो सकते हैं। उन्होंने कहा, जब दूरी होती है, तो प्यार की वैल्यू बढ़ जाती है। दूरी दिलों को और करीब ला देती है। इंसान को सामने वाले की अहमियत ज्यादा महसूस होने लगती है, लेकिन हांज आपको यह नहीं पता होता कि दूसरा इंसान आपके पीछे क्या कर रहा है। इसलिए शक भी बढ़ सकता है। शहनाज ने आगे कहा, रिश्तों में प्यार और भरोसा सबसे ज्यादा जरूरी होता है। दूरी कई बार रिश्ते की गहराई को समझने का मौका देती है, लेकिन साथ ही यह भरोसे की परीक्षा भी बन सकती है।

फिल्म इश्कनामा एक सच्ची कहानी पर आधारित है, जो असल जिंदगी के प्रेमी जोड़े निम्मा और नसीमा की कहानी को दिखाती है। फिल्म की कहानी साल 1981 से 1988 के बीच भारत-पाकिस्तान सीमा के आसपास की पृष्ठभूमि पर आधारित है। यह एक पीरियड रोमांटिक ड्रामा फिल्म है।

शहनाज ने कहा कि प्यार का तरीका समय के साथ बदल सकता है, लेकिन उसकी भावना हमेशा वही रहती है।उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि चाहे प्यार का कोई भी तरह हो, लेकिन अगर उसमें सच्चा प्रेम है, तो वह जिंदगी भर साथ रहता है। प्यार आज का हो या पुराने समय का, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। प्यार को किसी एक दौर या तरीके से नहीं बांधा जा सकता।

बता दें कि इश्कनामा का निर्देशन अरविंदर एस. खैरा ने किया है, जबकि फिल्म का निर्माण सौरभ राणा और रवनीत कौर चहल ने किया है। यह फिल्म किताब हिंद पाक बॉर्डरनामा से प्रेरित कहानी पर आधारित है। फिल्म में जय रंधावा, शहनाज गिल और सौरभ सचदेवा के साथ कई अन्य कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।फिल्म का संगीत मशहूर संगीतकार बी प्राक ने तैयार किया है, जबकि इसके गीतों के बोल जानी ने लिखे हैं। इश्कनामा भारत के साथ-साथ कनाडा और ब्रिटेन में 24 जुलाई को रिलीज होगी।

क्या डैंड्रफ ही खुजलीदार स्कैल्प की वजह है? जानें 5 अन्य कारण

स्कैल्प यानी खोपड़ी में खुजली का मतलब हमेशा डैंड्रफ नहीं होता। कई बार इसके पीछे अलग-अलग कारण होते हैं। इस लेख में हम जानेंगे कि खुजली के पीछे किन-किन कारणों का हाथ हो सकता है और उनसे कैसे छुटकारा पाया जा सकता है। इससे आप सही कारण जानकर बेहतर तरीके से इलाज कर पाएंगे और समस्या से राहत मिल सकेगी।

बालों की रूखी प्रकृति

अगर आपके बाल बहुत ज्यादा सूखे हैं, तो इससे खोपड़ी में खुजली हो सकती है। बालों में नमी की कमी होने पर सिर की त्वचा भी सूख जाती है, जिससे खुजली होने लगती है।इस समस्या से राहत पाने के लिए हफ्ते में दो बार तेल मालिश करें।इसके अलावा नमी देने वाले शैंपू का इस्तेमाल करें और कंडीशनर भी लगाएं ताकि बालों को नमी मिल सके और सिर की त्वचा स्वस्थ रहे।

एलर्जी का प्रभाव

कभी-कभी नए हेयर केयर प्रोडक्ट्स या किसी खाने की चीज से एलर्जी होने पर भी खोपड़ी में खुजली हो सकती है। अगर आपने हाल ही में कोई नया शैंपू या कंडीशनर इस्तेमाल किया हो या फिर किसी नई चीज का सेवन किया हो तो यह समस्या हो सकती है।

इसके लिए सबसे पहले यह पता लगाएं कि आपको किस चीज से एलर्जी है और उसे अपने जीवनशैली से दूर रखें।

धूप का असर

गर्मियों में तेज धूप भी खोपड़ी की खुजली का कारण बन सकती है। धूप की वजह से सिर की त्वचा जल सकती है या फिर उसमें जलन हो सकती है, जिससे खुजली होने लगती है।इसके लिए अपने सिर को धूप से बचाने के लिए टोपी पहनें या फिर स्कार्फ बांधें।इसके अलावा सुबह या शाम के समय बाहर निकलें जब धूप कम तेज हो। इससे आपकी खोपड़ी सुरक्षित रहेगी और खुजली की समस्या भी कम होगी।

मानसिक तनाव

तनाव भी खोपड़ी की खुजली का एक अहम कारण हो सकता है। जब हम तनाव में रहते हैं तो हमारे शरीर का पूरा संतुलन बिगड़ जाता है, जिससे सिर की त्वचा भी प्रभावित होती है।इस समस्या से राहत पाने के लिए ध्यान, योग या फिर गहरी सांस लेने वाले व्यायाम करें।इसके अलावा अपनी दिनचर्या में थोड़ी शांति और आराम शामिल करें ताकि आपका मन शांत रहे और तनाव कम हो सके।

त्वचा के रोग

कुछ त्वचा संबंधी रोग जैसे सोरियासिस या एक्जिमा भी खोपड़ी की खुजली का कारण बन सकते हैं। इन रोगों में त्वचा पर खुजली, सूजन और लालिमा होती है, जिससे सिर की त्वचा भी प्रभावित होती है।इस समस्या से राहत पाने के लिए डॉक्टर से संपर्क करें और उचित इलाज करवाएं।इस प्रकार यह स्पष्ट होता है कि खुजलीदार खोपड़ी हमेशा डैंड्रफ ही नहीं होती बल्कि इसके कई अन्य कारण भी हो सकते हैं।

प्राथमिक शिक्षक भर्ती: दस्तावेज अपलोड और सत्यापन की प्रक्रिया प्रारंभ

18 से 20 जुलाई तक प्रोफाइल पंजीयन, दस्तावेज अपलोड व जिला विकल्प चयन, 19 से 21 जुलाई तक होगा दस्तावेज सत्यापन

नर्मदापुरम (निप्र)। मध्यप्रदेश में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा प्राथमिक शिक्षक एवं प्राथमिक शिक्षक (विशेष शिक्षा) नियोजन 2026 के लिए चयनित अभ्यर्थियों के दस्तावेज अपलोड एवं सत्यापन की प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी गयी है। लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा इस संबंध में जारी सूचना के अनुसार कर्मचारी चयन मंडल द्वारा आयोजित प्राथमिक शिक्षक एवं प्राथमिक शिक्षक (विशेष शिक्षा) चयन परीक्षा वर्ष 2025 के परीक्षा परिणाम के आधार पर चयनित अभ्यर्थियों के लिए एमपी ऑनलाइन पोर्टल पर नियोजन संबंधी प्रक्रिया निर्धारित समय-सारणी के अनुसार संचालित की जा रही है।

अभ्यर्थियों को 18 जुलाई से 20 जुलाई 2026 तक एमपी ऑनलाइन पोर्टल पर प्रोफाइल पंजीयन, आवश्यक दस्तावेज अपलोड करने तथा जिला विकल्प का चयन करना होगा। इसके बाद 19 जुलाई से 21 जुलाई 2026 तक जिला स्तर पर दस्तावेजों का सत्यापन किया जाएगा। विभाग ने स्पष्ट किया है कि अभ्यर्थियों को पोर्टल पर प्रदर्शित सभी जिलों को प्राथमिकता क्रम देना अनिवार्य होगा। दस्तावेज अपलोड करने के अगले दिन अभ्यर्थी को स्वयं चयनित दस्तावेज सत्यापन केंद्र पर उपस्थित होकर दस्तावेजों का सत्यापन कराना होगा।

हर दिन आता है मैसेज आपके क्षेत्र के विद्युत फीडर में आए फाल्ट को ठीक किया जा रहा है

हर कभी हो रही रही बिजली की आंख मिचौली, स्मार्ट मीटर खाली कर रहे उपभोक्ताओं की जेब

नर्मदापुरम(निप्र)। प्राय: हर दिन बिजली कंपनी के द्वारा उपभोक्ताओं के पास यह मैसेज आता है कि आपके क्षेत्र के विद्युत फीडर में आए फाल्ट को ठीक किया जा रहा है, उस फाल्ट में ही काफी समय हो जाता है। लेकिन कटोती के बाद भी बिल ज्यादा ही आता है। बिना तेज हवा और हल्की बारिश होने पर बार बार बिजली की गड़बडी आम बात हो गई है।

बिजली कंपनी के अधिकारी कर्मचारी बिजली की अव्यवस्थाओं को सुधारने में ज्यादा रूच नहीं लेते हैं। मेंटेनेंस के नाम पर उनके प्रयास उतने सफल नहीं हो पा रहे हैं जितनी लोगों को परेशानी हो रही है। दिन में करीब तीन चार बार बिजली की आंख मिचौली होती रहती है। रात में भी बिजली बार बार जा रही है। इस तरह की गड़बड़ी से लोगों के रोजमर्रा के कार्य प्रभावित हो रहे हैं। बिजली की इस अव्यवस्था के सुधार के प्रति बिजली कंपनी के अधिकारी लापरवाह बने हुए हैं। इस संबंध में जब बिजली कंपनी के अधिकारियों से चर्चा करने पर उन्होने बताया कि बारिश के दौरान बिजली के तारों में कार्बन जम जाने तथा पेड़ की डाली के कारण भी कुछ परेशानी

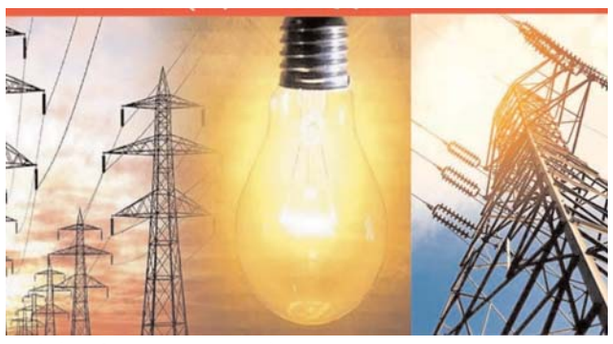

आती है जिसे तुरंत सुधारा जाता है।

करनी पड़ती है भोपाल शिकायत

बिजली कंपनी के द्वारा जो प्रयोग शिकायत के संबंध में किया जा रहा है उसका परिणाम ठीक नहीं आने के बाद भी व्यवस्था में सुधार नहीं किया जा रहा है। पहले बिजली की गड़बड़ी होने पर बिजली कंपनी के कार्यालय में शिकायत दर्ज हो जाती थी। अब भोपाल में शिकायत दर्ज करने का प्रयोग किया गया। जो पूरी तरह सफल नहीं है। यह एक तरफा प्रयोग है। इसमें बिजली कंपनी के अधिकारियों से बात नहीं की जाती है। सिर्फ मोबाइल पर शिकायत दर्ज कराओ।

बिल कर रहे जेब खाली

बिजली कंपनी के द्वारा कुछ समय पूर्व ही मीटर बदले गए थे। अब अधिकांश उपभोक्ताओं के उस मीटर को भी बदला गया है जिसमें कुछ हद तक रीडिंग सहीं आ रही थी। लेकिन अब तो स्मार्ट मीटर के नाम पर उपभोक्ताओं के जेब हल्के किए जा रहे हैं। पूर्व की तुलना में दो गुना तथा तीन चार गुना बिल आने से उपभोक्ता खासे परेशान हैं। मीटर बदलने की बात करने पर यह कहा जा रहा है कि मीटर ठीक है अब बदलोगे तो नए मीटर के लिए चार हजार रूपये देने होंगे। कुल मिलाकर उपभोक्ताओं को लूटने की मशीन लगा कर बिजली कंपनी अपने आप को सही मान ही है।

सांप की पोलों में बरसाती पानी जाने से निकल रहे बाहर

इन दिनों में बढ़ जाता है सर्पदंश का खतरा, झाड़ फूंक में समय कर देते हैं बर्बाद

डोलरिया। नर्मदापुरम(निप्र)। बरसात में सर्पदंश के खतरे बढ़ जाते हैं। इन दिनों सांप उनकी पोल में वर्षा का पानी भरने से बाहर निकल आते हैं। यहां तक कि बाहर मडराते हुए लोगों के घरों तक पहुंच जाते हैं। एक दूसरा कारण बारिश होते ही मेंडक निकलने लगती है उसके पीछे भी ये सांप लोगों के घरों तक पहुंच जाते हैं। शनिवार को ही कोठीबाजार में मानसूनी बारिश शुरू होने के बाद नर्मदा किनारे से सांप निकल कर लोगों के घरों तक पहुंचे हैं। सुबह के समय संतोष केवट के घर में काले रंग का सांप आ जाने से लोग घबरा गए। इसी दौरान पड़ोस के लोगों ने आकर लाठी से सांप को मारने की कोशिश की इतने में वह किनारे में भाग गया।

कई लोगों की हो जाती है मौत

बरसात के शुरूआती मौसम में सांप के काटने से जिले में दर्जनों लोगों की मौत हो जाती है। बारिश का मौसम आते ही कई जहरीले जीव जंतुओं का विचरण शुरू हो जाता है। इन जहरीले जीव जंतुओं में इन दिनों सांप का निकलना भी शामिल है। पोल में पानी भर जाने तथा तेज गर्मी उमस के कारण नाग नागिन जमीन पर मंडराने लगते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में पूर्व में बरसात की शुरूआत में सर्पदंश से लोगों की मौत हो चुकी है।

झाड़फूंक में करते हैं समय नष्ट

सांप के काटने के मामले में डाक्टरों का कहना है कि सांप के काटने के बाद कई लोग झाड़ फूंक कराने में लग जाते हैं। इससे समय लग जाता है। तब तक सर्पदंश से पीड़ित व्यक्ति की मौत हो जाती है। कभी कभी तीर में तुक्का लग जाता है या कम जहरीले सांप के काटने से स्वयं ही व्यक्ति बच जाता है। तो इससे इस मान्यता को बल मिलता है कि झाड़ फूंक से व्यक्ति की जान बच गई है। लेकिन वास्तविकता में ऐसा बिलकुल नहीं है। सर्पदंश का उपचार झाड़ फूंक में समय बर्बाद होने से व्यक्ति की जान पर भारी पड़ जाता है।

90 फीसद सांप नहीं होते जहरीले

डाक्टरों एवं जानकारों का कहना है कि सभी सांप जहरीले नहीं होते हैं। 90 फीसद सांप जहरीले नहीं होते हैं। कुछ ही सांप ही जहरीले होते हैं। हालांकि इनका भी समय रहते उपचार होने से इंजेक्शन लग जाने से जान बच सकती है।

जिला अधिवक्ता संघ चुनाव

पदाधिकारियों को मिले मतों के परिणाम सोमवार को घोषित होंगे

जीत के प्रमाण पत्र चुनाव अधिकारियों के द्वारा किए जाएंगे प्रदान,शालीनता और सौहार्दमय वातावरण में हुए चुनाव,सभी ने व्यक्त किया आभार

नर्मदापुरम (निप्र)। जिला अधिवक्ता संघ के चुनाव शांतिपूर्ण शालीनता और सौहार्दमय वातावरण में संपन्न हो चुके हैं। मतगणना समय पर पूरी हो चुकी थी। वरिष्ठ अधिवक्ता एसएस ठाकुर के आकस्मिक निधन होने के कारण चुनाव परिणाम को घोषित नहीं किया जा सका है। चुनाव मुख्य निर्वाचन अधिकारी एसएस पटेल व सहायक निर्वाचन अधिकारियों वरिष्ठ अधिवक्ताओं के मार्गदर्शन में चुनाव की प्रक्रिया निर्विघ्न रूप से हो गई है। अब चुनाव परिणाम की घोषणा सोमवार को की जाएगी।

मतगणना के दौरान ये रहे आगे

जिला अधिवक्ता संघ के चुनाव में कुल सभी अधिवक्ताओं में विशेष उत्साह देखा गया था। मतदान के दूसरे दिन 16 राउंड की मतगणना हुई। जिनमें अध्यक्ष पद पर सुरेंद्र सिंह राजपूत, उपाध्यक्ष पद पर नीरज पटेल, सचिव पद पर अनुपम दुबे, सहसचिव पद पर सीके कुरापा कोषाध्यक्ष पर पर श्रीमती गुरप्रीत कौर अपने निकटतम प्रत्याशी से आगे रहे। वहीं कार्यकारिणी सदस्य सहित सभी पदाधिकारियों की अधिकृत घोषणा अब सोमवार को होगी।

जिसकी सभी अधिवक्ताओं को प्रतीक्षा है। हालाकी हार जीत की जानकारी सभी अधिवक्ताओं को है। सहसचिव पद के लिए 1 मत को लेकर फिर से निरस्त मतों की गणना हुई जिसमें सीके कुरापा 1 मत से आगे रहे। विजयी प्रत्याशियों को परिणाम घोषित होने के साथ ही जीत के प्रमाण पत्र चुनाव अधिकारियों के द्वारा प्रदान किए जाने हैं।

राहत शाखा के सभी मामलों में समय सीमा के भीतर शासन स्तर तक रिपोर्ट भिजवाना सुनिश्चित करें राजस्व अधिकारी : कलेक्टर सोमेश मिश्रा

लोक सेवा गारंटी के प्रकरण समय-सीमा में निपटाएं, लापरवाही पर होगी सख्त कार्रवाई
राजस्व कार्यों में लाएं तेजी, वित्तीय वर्ष से पहले पूरे करें वसूली लक्ष्य

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा की अध्यक्षता में शनिवार को कलेक्ट्रेट के रेवा सभा कक्ष में राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न राजस्व प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए तथा विभिन्न प्रकरणों के निराकरण के लिए समय-सीमा निर्धारित की। कलेक्टर श्री मिश्रा ने निर्देश दिए कि लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत कोई भी प्रकरण लंबित न रहे। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्धारित समय-सीमा के बाद भी प्रकरण लंबित पाए जाने पर संबंधित एसडीएम, तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार की जवाबदेही तय करते हुए जुर्माना अधिरोपित किया जाएगा तथा आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। बैठक में कलेक्टर ने सभी राजस्व अधिकारियों को नियमित रूप से न्यायालय संचालन के निर्देश दिए तथा एसडीएम को इसकी सतत समीक्षा करने को कहा। उन्होंने निर्देशित किया कि तहसील स्तर पर सीमांकन के प्रकरणों का शीघ्र निराकरण किया जाए तथा जनसुनवाई में प्राप्त सीमांकन संबंधी आवेदनों का भी समयबद्ध निराकरण कर संबंधित आवेदकों को सूचना देना सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर ने भू-अर्जन से जुड़े सभी प्रकरणों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वन व्यवस्थापन, वन ग्रामों को राजस्व ग्राम में परिवर्तन तथा विस्थापित ग्रामों के अधिकार अभिलेखों की अद्यतन स्थिति की समीक्षा के लिए सभी एसडीएम वन विभाग एवं सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के अधिकारियों के साथ वैकल्पिक सप्ताह (अल्टरनेट वीक) में संयुक्त बैठक आयोजित करें, ताकि इन प्रकरणों के निराकरण में तेजी लाई जा सके। स्वामित्व योजना के तहत सभी तहसीलों में आरओआर एवं द्वितीय प्रशासन से संबंधित लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिए समय-सीमा निर्धारित करते हुए कलेक्टर ने अपर कलेक्टर को नियमित समीक्षा के निर्देश दिए। वहीं प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत ई-केवाईसी एवं एनपीसीआई से जुड़े प्रकरणों में निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप प्रगति नहीं होने पर संबंधित तहसीलदारों को एक हजार रुपये रेडक्रॉस सोसायटी में जुर्माने के रूप में जमा कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री मिश्रा ने राजस्व वसूली कार्यों में तेजी लाने पर जोर देते हुए कहा कि वित्तीय वर्ष समाप्त होने से पहले निर्धारित लक्ष्य प्राप्त किए जाएं। उन्होंने सभी एसडीएम को अपने-अपने अनुविभाग में राजस्व वसूली की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए।राहत संबंधी प्रकरणों की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही या शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि राहत संबंधी प्रत्येक प्रकरण की रिपोर्ट 48 घंटे के भीतर शासन स्तर तक भेजी जाए तथा सीएमएचओ द्वारा परीक्षण रिपोर्ट 24 घंटे के भीतर उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने सख्त रूप से निर्देशित करते हुए कहा कि राहत प्रकरणों में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई प्रस्तावित की जाएगी। बैठक में कलेक्टर ने सभी एसडीएम को अपने-अपने अनुविभाग में लैंड बैंक तैयार करने के निर्देश दिए। साथ ही खेल विभाग द्वारा प्रस्तावित इंटीग्रेटेड स्पोर्ट्स स्टेडियम के लिए उपयुक्त राजस्व भूमि का चिन्हांकन कर खेल विभाग के साथ समन्वय स्थापित करते हुए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा।कलेक्टर ने जिले में प्रोजेक्ट दामिनी के अंतर्गत ग्रामीण एवं विकासखंड स्तर पर व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने तथा नागरिकों को दामिनी ऐप के उपयोग एवं संचालन का प्रशिक्षण देने के भी निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर राजेश शुक्ला सहित जिले के समस्त एसडीएम, तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार उपस्थित रहे।

अवैध शराब के विरुद्ध आबकारी विभाग की निरंतर कार्यवाही

इटारसी के विभिन्न क्षेत्रों में छापेमारी कार्यवाही के दौरान 10 प्रकरण दर्ज

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिले में अवैध मदिरा के परिवहन, विनिर्माण एवं संग्रहण के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में जिला आबकारी अधिकारी डॉ. राजीव प्रसाद द्विवेदी के मार्गदर्शन तथा मंडल प्रभारी अधिकारी अभिलाष पाठक के नेतृत्व में शनिवार को आबकारी विभाग द्वारा इटारसी शहर एवं औद्योगिक क्षेत्र में विशेष अभियान चलाकर व्यापक कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान इटारसी के गरीबी लाइन, नाला मोहल्ला, सूरजगंज, बालाजी मंदिर एवं पुरानी इटारसी क्षेत्र में छापामार कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 34(1)(क) एवं 34(1)(च) के तहत 10 प्रकरण दर्ज किए गए। आबकारी विभाग की टीम ने कार्रवाई के दौरान 50 पाव देशी मदिरा, 40 लीटर हाथ भट्टी मदिरा तथा 1250 किलोग्राम महुआ लाहन बरामद किया। जब्त मदिरा एवं महुआ लाहन की अनुमानित कीमत 1 लाख 36 हजार 800 रुपये आंकी गई है। इस कार्रवाई में सहायक जिला आबकारी अधिकारी रमेश अहिरवार सहित आबकारी विभाग के अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों का सराहनीय सहयोग रहा। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध मदिरा के निर्माण, परिवहन एवं विक्रय के विरुद्ध अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

नैतिक शिक्षा और नशा मुक्ति का संदेश लेकर विद्यार्थियों के बीच पहुँचा गायत्री परिवार

नर्मदापुरम। अखिल विश्व गायत्री परिवार नर्मदापुरम द्वारा नैतिक शिक्षा एवं नशा मुक्ति जनजागरण अभियान के अंतर्गत विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में लगातार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

इसी क्रम में शनिवार को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयए बांद्राभान में विद्यार्थियों के लिए नैतिक शिक्षा एवं नशा मुक्ति विषय पर प्रेरक संगोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम में गायत्री परिवार के उमेश कुमार सिंह एवं शिव कुमार विश्वकर्मा ने विद्यार्थियों को नैतिक मूल्यों को जीवन में अपनाने अनुशासन संस्कार एवं सदाचार का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि नशा व्यक्तिए परिवार और समाज तीनों के लिए घातक है। विद्यार्थियों को नशे से दूर रहकर अपने जीवन को लक्ष्यपूर्ण स्वस्थ एवं चरित्रवान बनाने का संकल्प लेना चाहिए।

साथ ही नियमित अध्ययनए श्रेष्ठ साहित्य के स्वाध्याय एवं सकारात्मक संगति अपनाने का संदेश भी दिया गया। इस अवसर पर प्राचार्य अरूणा पूरनकर रंजना गुलाटी दीप्ति गोहिया सुनीता वर्मा रेखा पचौरी सीमा पवार दीक्षा गौर शांति मूलचंदानी अर्चना तिवारी सीमा गौर प्रतीक्षा शर्मा सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ एवं बड़ी संख्या में छात्र.छात्राएँ उपस्थित रहे।

गुरु पूर्णिमा पखवाड़े के तहत मुंगावली स्कूल में भाषण, निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिताओं का आयोजन

सीहोर(निप्र) ।गुरु पूर्णिमा पखवाड़े के अवसर पर मुंगावली स्कूल में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास तथा भारतीय संस्कृति के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के पूजन, दीप प्रज्वलन एवं छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत गुरु वंदना से हुई। इसके पश्चात गुरु पूर्णिमा पखवाड़े के अंतर्गत मेरे जीवन में गुरु का महत्व विषय पर भाषण प्रतियोगिता, निबंध लेखन एवं चित्रकला

प्रतियोगिता आयोजित की गई। सभी प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह और रचनात्मकता के साथ सहभागिता की।विद्यालय के प्राचार्य श्री राजेश कसौटिया ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए भारतीय गुरु-शिष्य परंपरा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि गुरु केवल शिक्षा ही नहीं देते, बल्कि जीवन को सही दिशा भी प्रदान करते हैं।

उन्होंने सभी प्रतिभागियों की सराहना करते हुए उन्हें निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।इस अवसर पर श्री घनश्याम दोगने ने विद्यार्थियों को अनुशासन का महत्व बताते हुए कहा कि विद्यार्थी जीवन में अनुशासन ही सफलता की सबसे बड़ी कुंजी है और यही उज्ज्वल भविष्य का आधार बनता है।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

सब नागरिक समान सबको सम्मान

समानता और न्याय की भावना को समर्पित

मध्यप्रदेश मंत्रिपरिषद् बैठक

अध्यक्षता

डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

19 जुलाई 2026

जगदीशपुर, जिला भोपाल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार सभी वर्गों के साथ संतुलन बनाते हुए समान नागरिक संहिता लागू करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। प्रदेश की जनहितैषी सरकार सभी वर्गों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है।
- डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

समान नागरिक संहिता

सभी जाति, धर्म या वर्ग के नागरिकों के लिए एक समान कानून सुनिश्चित होंगे

सभी पारंपरिक सांस्कृतिक विविधताएं, धार्मिक रीति-रिवाज पूरी तरह सुरक्षित होंगे

विवाह, तलाक, भरणपोषण, उत्तराधिकार जैसे मामलों में अब सभी को एक समान कानूनी सुरक्षा मिलेगी

जुबानी, एकतरफा और अनौपचारिक तलाक पूरी तरह गैर-कानूनी और दंडनीय होंगे

बहुविवाह पर पूरी तरह रोक एवं विवाह और तलाक पर पंजीयन अनिवार्य होगा

लिव-इन रिलेशनशिप का पंजीयन अनिवार्य

माता-पिता की वैवाहिक स्थिति से परे सामान्य बच्चों की तरह जैविक, दत्तक, सेरोगेसी या एआरटी से जन्मे बच्चों को समान कानूनी मान्यता

जनजातीय संस्कृति और जीवन शैली का सम्मान करते हुए प्रदेश की भील, गोंड, कोरकू, बैगा, सहरिया और भारिया जैसी जनजातियों पर यह कानून लागू नहीं होगा

D-11063/26

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी/2026